विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | शहडोल, रविवार, 13 जुलाई 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 199 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

एक पल का उन्माद जीवन की क्षणिक चमक का नहीं, अंधकार का पोषक है, जिसका कोई आदि नहीं, कोई अंत नहीं।

▶▶ रांगेय राघव

न्यूज इन शॉर्ट

नेपाली अधिकारी की चेतावनी, नेपाल के रास्ते भारत में घुस सकते हैं आतंकी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आयोजित संगोष्ठी के दौरान नेपाली राष्ट्रपति के सलाहकार सुनील बहादूर थापा ने भारत पर आंतकी हमलों को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने अपने वक्तव्य दौरान कहा कि पाकिस्तान के लश्कर-ए-

तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आंतकी संगठन भारत में आंतकवाद फैलाने के लिए नेपाल के रास्ते का उपयोग कर सकते हैं। बता दें कि नेपाल के काठमांडू में 9 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एंव सहभागिता संस्थान की ओर से एक उच्च स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। जहां प्रमूख क्षेत्रीय विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया था। संगोष्ठी में दक्षिण एशिया में आंतकवाद के खतरों से निपटने को लेकर चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान भारत में पर होने वाले आंतकी हमलों को लेकर चर्चा की गई।

अमरनाथ यात्रा: अब तक 1.63 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा इस वर्ष भी श्रद्धा और सुरक्षा के मजबूत संगम के साथ ऐतिहासिक बनती जा रही है। 3 जुलाई 2025 को शुरू हुई इस पवित्र यात्रा में अब तक 1.63 लाख श्रद्धालुओं ने बर्फानी बाबा के दर्शन कर

लिए हैं। आज शनिवार को 6,639 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के मुताबिक तड़के 2.50 बजे, 2,337 यात्रियों को लेकर 116 वाहनों का पहला काफिला बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। इसके बाद 3.55 बजे, 4,302 यात्रियों के साथ 161 वाहनों का दूसरा काफिला नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप की ओर निकला। इस बार यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के लिहाज से कोई समझौता नहीं किया गया है।

गगनयान की उड़ान के लिए इंजन तैयार, मिशन एबॉर्ट परीक्षण सफल

बंगलौर, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि उसने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके साथ ही इस सिस्टम के सभी जरूरी परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं। शुक्र वार को इस सिस्टम का 350 सेकंड (करीब 6 मिनट) तक एक बड़ा परीक्षण किया गया। इसका मकसद यह देखना था कि अगर उड़ान के दौरान कोई गड़बड़ी हो जाए और मिशन को बीच में रोकना पड़े (जिसे 'मिशन एबॉर्ट' कहा जाता है), तो यह सिस्टम सही तरीके से काम करता है या नहीं। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिस पर काम किया जा रहा है। इसरो ने एक बयान में कहा कि हॉट परीक्षण के दौरान प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा।

नीट यूजी काउंसलिंग: पहले राउंड के लिए 21 से शुरू होगा पंजीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी ने बहुप्रतीक्षित नीट यूजी काउंसलिंग का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। जारी शेड्यूल के अनुसार, पंजीकरण प्रक्रिया 21 जुलाई से शुरू होने वाली है। उम्मीदवार 28 जुलाई तक पंजीकरण कर सकेंगे। एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष

पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवार 21 जुलाई से पहले राउंड के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर सकेंगे। इस बार काउंसलिंग के लिए कुल तीन राउंड का आयोजन किया जाएगा। तीसरे राउंड के बाद एक स्ट्रे वैकेंसी राउंड का भी आयोजन होगा। नीट काउंसलिंग के माध्यम से, एमसीसी राज्यों की 15% एआईक्यू सीटों, बीएचयू की 100% एमबीबीएस, बीडीएस सीटों, एम्स संस्थानों, जिपमर (पुडुचेरी/कराईकल) और अन्य सहभागी संस्थानों की 100% एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश प्रदान करेगा।

रक्षाबंधन से पहले बहनों को शगुन और सम्मान: मोहन सरकार ने 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को दी 1543 करोड़ की सौगात

यह सिर्फ एक राशि नहीं, बहनों के प्रति सम्मान का प्रतीक: मोहन

विजय मत, भोपाल/उज्जैन

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रक्षाबंधन से पहले प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को उज्जैन जिले के ग्राम नलवा में राज्य स्तरीय लाभ वितरण समारोह को संबोधित करते हुए बहनों के बैंक खातों में 1543.16 करोड़ रुपये की 26वीं किश्त अंतरित की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि रक्षाबंधन के मौके पर बहनों को 250 रुपये अतिरिक्त शगुन दिया जाएगा, जिससे अगस्त में प्रत्येक बहन को 1500 रुपये की सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, राखी स्नेह का बंधन है, और शगुन भाई का कर्तव्य। यह सहायता सिर्फ एक राशि नहीं, बल्कि बहनों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने मंच से लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, मातृवंदना योजना और उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से हितलाभ भी वितरित किए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन और कन्या पूजन के साथ राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया और बहनों द्वारा भेंट की गई विशाल राखी का आत्मीयता से स्वागत किया।

बहनों को पक्का मकान और भविष्य में 3000 रुपये तक सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर लाड़ली बहन को पक्का मकान देने का संकल्प भी सरकार ने लिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकानों की रजिस्ट्री बहनों के नाम पर हुई है, जो महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने यह भी दोहराया कि दीपावली के बाद भाई दूज तक बहनों को हर माह 1500 रुपये, और भविष्य में यह राशि 3000 रुपये प्रतिमाह तक बढ़ाई जाएगी।

देश की बहनों को जल्द मिलेगा चुनावों में आरक्षण का लाभ: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में देश की बहनों को लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाचुनाव में आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। फिलहाल, निकाय चुनावों में यह आरक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, बहनें मायके और ससुराल दोनों को धन्य करती हैं। बहनें देश का सौभाग्य हैं। उनके हाथ में पैसा हो तो पूरा परिवार खुशहाल रहता है। हम बहनों के मान-सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मंच से बहनों के खातों में सीधे पहुंचाई गईं ये राशि

- **1543.16 करोड़ रुपये:** 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में
- **46.34 करोड़ रुपये:** 30 लाख बहनों को उज्ज्वला गैस रिफिलिंग सब्सिडी
- **340 करोड़ रुपये:** 56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को पेंशन

गांव से टोलों तक पक्की सड़कों का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो चुका है। अब मजरे-टोलों तक भी पक्की सड़कें बनाई जाएंगी। उन्होंने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की ग्रामीण सड़क योजना का स्मरण करते हुए कहा कि अब यह कार्य और तेज गति से किया जाएगा।

किसानों को 90% अनुदान पर सोलर पंप, दूध उत्पादन को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत किसानों को 90' अनुदान पर सोलर पंप दिए जा रहे हैं। साथ ही, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत सहकारी समितियों के माध्यम से दूध खरीदी कर किसानों की आय बढ़ाई जाएगी। दूध उत्पादन को 20' तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया गया है।

पीएम मोदी ने बांटे 51हजार नियुक्ति पत्र

सरकारी हो या प्राइवेट हर क्षेत्र में रोजगार पैदा कर रही सरकार: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। नियुक्ति पत्र वितरण वर्चुअली किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिए अपने संबोधन में पीएम ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रोजगार सृजन पर अपनी सरकार के फोकस पर जोर दिया और कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद वर्चुअल संबोधन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। चाहे वह गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाना हो, 10 करोड़ से ज्यादा नए एलपीजी कनेक्शन वितरित करना हो या रूफटॉप सोलर कार्यक्रम हो। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर उनके लिए रोजगार और आय के स्रोत नहीं पैदा होते तो ऐसा नहीं हो पाता। उन्होंने आगे कहा कि इन गरीब लोगों का जीवन पहले मुश्किल था और उन्हें मौत का डर सताता था, लेकिन वे इतने मजबूत हो गए कि उन्होंने गरीबी को हरा दिया।

मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में लाखों को रोजगार

पीएम ने कहा कि पहले देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग की सिर्फ दो या चार यूनिट थीं, अब इन इकाइयों की संख्या अब लगभग 300 है जिनमें लाखों युवा काम कर रहे हैं। मोदी ने यह भी बताया कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष के बजट में मिशन मैन्युफैक्चरिंग की घोषणा की गई। उन्होंने पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान भारत की स्वदेशी सैन्य क्षमता का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा निर्माण पर गर्व से चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादन का मूल्य 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच रिपोर्ट में खुलासा

जांच रिपोर्ट में खुलासा, 29 सेकेंड में विमान क्रैश, उड़ान के तीन सेकेंड बाद बंद हुई ईंधन आपूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (एआई 171) 12 जून को जब अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने लगा तो केवल तीन सेकेंड बाद ही ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई। टेकऑफ के बाद दोनों इंजनों की ईंधन आपूर्ति बंद होते ही केवल 29 सेकेंड बाद विमान मेघाणीनगर में क्रैश हो गया। एएआईबी की रिपोर्ट के मुताबिक टेकऑफ के समय ईंधन सप्लाई बंद होते ही इंजनों की पंखे की गति कम होने लगी थी। 213.4 टन वजन के साथ उड़ा विमान हवाई अड्डे की परिधि की दीवार पार करने से पहले ही नीचे आने लगा। इस समय विमान में 54,200 किलोग्राम फ्यूल था और टेक-ऑफ वजन 2,13,401 किलोग्राम रहा, जो अधिकतम अनुमत वजन 2,18,183 किलोग्राम से कम था।

रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा मंत्रालय: नायडू

इस रिपोर्ट पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने अपनी

प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये एक शुरुआती जांच रिपोर्ट पर है और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट आने तक कोई भी आधिकारिक निष्कर्ष नहीं निकाला जाएगा। नायडू ने कहा कि यह रिपोर्ट फिलहाल प्रारंभिक स्तर की है और मंत्रालय इसमें सामने आई बातों का विश्लेषण कर रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से हम इसका गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं।

व्यापार वार्ता में शामिल देशों को ट्रंप की सलाह, कहा-

टैरिफ से बचने के लिए करते रहें कड़ी मेहनत

वॉशिंगटन, एजेंसी। टैरिफ वॉर के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार वार्ता में शामिल देशों को सलाह दी है। ट्रंप ने कहा कि सभी देश टैरिफ की एक अगस्त की समयसीमा से पहले वार्ता के लिए कड़ी मेहनत करते रहें। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से अमेरिका का दोस्त और दुश्मन दोनों देशों ने खूब फायदा उठाया है। दक्षिण

कोरिया, जापान समेत कई देश एक अगस्त से लागू होने वाले ट्रंप के जवाबी टैरिफ से बचने के लिए अमेरिका से समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं। बाढ़ प्रभावित टेक्सास के दौरे में रवाना होने से पहले ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि बस कड़ी मेहनत करते रहिए। कई वर्षों से मित्र और शत्रु दोनों ही देशों ने हमारा फायदा उठाया है।

ब्यौहारी में बारिश का तांडव, एसडीआरएफ ने बचाई जान

शहडोल में कच्चा मकान गिरने से पुजारी की मौत, पानी भरने से घरों में फंसे लोग

विजय मत, शहडोल

ब्यौहारी क्षेत्र में शुक्रवार शाम बारिश का तांडव देखने को मिला। नदी उफान में आ जाने से एक घर के चारों तरफ जल भराव हो गया। एक परिवार घर के अंदर ही फंस गया। किसी तरह पुलिस तक सूचना पहुंची तो पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम ने चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद परिवार के 6 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान में पहुंचाया

गया। वहीं ब्यौहारी से पपौंध मार्ग कल शाम 6 बजे से बंद है। देवलौंद में तेज बारिश की वजह से कच्चा महान गिर गया, जिसके नीचे दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। बाणसागर डैम के तीन गेट 12 बजे खोले जाएंगे। जिले में बारिश का दौर लगातार जारी है। तेज बारिश से नदी नाले उफान में हैं। कच्चे मकान बारिश की वजह से गिर रहे हैं, तो कई मार्ग भी बंद हैं।

भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियां इसमें सुधार की सख्त जरूरत: गवई

हैदराबाद, एजेंसी

देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत है। हैदराबाद के नालसार विधि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में उन्होंने छात्रों से कहा कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर अध्ययन करें, न कि परिवार पर वित्तीय दबाव डालें। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी

न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है। फिर भी मैं आशावादी हूं कि मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे। हमारा देश और न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है। मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है। सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हमें उन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन आज दुबई में करेंगे फ्रेंड्स ऑफ एमपी और प्रवासी भारतीयों से संवाद

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को दुबई यात्रा के पहले दिन मध्यप्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और वैश्विक पहचान को मजबूत करने वाले कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। प्रवासी भारतीयों, उद्योगपतियों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ संवाद की श्रृंखला शुरू होगी, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के नवाचार, निवेश और संस्कृति से जुड़े विविध पहलुओं को सामने रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई में रह रहे मध्यप्रदेश मूल के प्रवासी भारतीयों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ संवाद करेंगे। इस संवाद में वे उन्हें प्रदेश के निवेश अवसरों, अधोसंरचना, जन-कल्याणकारी योजनाओं और वैश्विक भागीदारी के लिए तैयार नई व्यवस्था से अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रवासी प्रतिभाओं को राज्य के विकास से जोड़ने के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी भी देंगे। दिन की शुरुआत दुबई के होटल अटलांटिस में 'ब्रांड मध्यप्रदेश' कार्यक्रम से होगी।

विजय मत एंकर सुकमा में ₹1.18 करोड़ इनामी के 23 नक्सली मुख्यधारा में लौटे, बीते 15 महीनों में 1521 ने छोड़ी हिंसा

बंदूक की गोली नहीं, अब विकास की बोली गूंज रही है : मुख्यमंत्री साय

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुदूर अंचलों में बदलाव की बयार बह रही है। बस्तर बदल रहा है, बंदूकें थम रही हैं और लोकतंत्र की लौ अब हर कोने में जल रही है। इसी परिवर्तनशील वातावरण में आज सुकमा जिले में 1.18 करोड़ रुपए के इनामी 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन्हें मिलाकर पिछले 24 घंटों में कुल 45 नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास जताया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अभूतपूर्व घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल आत्मसमर्पण नहीं है, बल्कि विश्वास की उस जीत का प्रतीक है, जो हमारी

सरकार ने नियद नेल्ला नार जैसी जनउन्मुख योजनाओं के माध्यम से गाँव-गाँव तक पहुँचाया है। अब यहां बंदूक की गोली नहीं, विकास की बोली सुनाई दे रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले 15 महीनों में 1521 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार की पहुंच और विश्वास निरंतर बढ़ा है। यह सफलता राज्य सरकार की 'नवीन आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025' की सकारात्मकता को भी दर्शाती है, जिसके तहत हथियार छोड़ने वाले नक्सलियों को न केवल सामाजिक सम्मान, बल्कि पुनर्वास और आजीविका का अवसर भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह परिवर्तन यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में चल रहे सुशासन के विजन का सजीव उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारा प्रदेश तय समय-सीमा के भीतर नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होगा और बस्तर क्षेत्र का प्रत्येक नागरिक विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा।

सुरक्षा बलों की संयुक्त सफलता

यह सफलता सुकमा पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान का परिणाम है। आत्मसमर्पण पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण और सीआरपीएफ डीआईजी आनंद सिंह की मौजूदगी में हुआ। अभियान में सीआरपीएफ की 2वीं, 223वीं, 227वीं, 165वीं बटालियन एवं कोबरा की 204वीं और 208वीं बटालियन की भूमिका अहम रही।

> यह आत्मसमर्पण से यह स्पष्ट है कि माओवादी अब हिंसा को छोड़कर मुख्यधारा में लौटना चाह रहे हैं। यह बस्तर में शांति और पुनर्वास की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।
>
> ■ सुंदरराज पट्टलिंगम
> आईजी बस्तर

एनसीईआरटी ने की साइंस बुक 'क्यूरियोसिटी' की तैयार

8वीं के छात्र पढ़ेंगे मेक इन इंडिया, कोविड वैक्सीन से लेकर चंद्रयान तक की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की आठवीं कक्षा की साइंस की पाठ्यपुस्तक 'क्यूरियोसिटी' में अब छात्र कोरोना काल में भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति, मेक इन इंडिया और कोविड 19 वैक्सीन के बारे में पढ़ेंगे। भारत ने कई देशों को मेक इन इंडिया वैक्सीन देकर महामारी में करोड़ों लोगों की जान बचाई। रोटावायरस वैक्सीन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, के सचिव वैज्ञानिक व डॉक्टर महाराज किशनभान भी शामिल हैं। उन्होंने इनोवेशन और साइंस को बढ़ावा देने, बच्चों को डायरिया से बचाने वाले रोटावायरस वैक्सीन बनाने, भारत में किफायती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाने पर जोर दिया था। एनसीईआरटी ने 21वीं सदी की मांग के आधार पर पाठ्यपुस्तक तैयार की है। एनसीईआरटी की 'क्यूरियोसिटी' पाठ्यपुस्तक में जानकारी के साथ जिज्ञासाओं को भी दूर किया है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) 2023 पर आधारित है। छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान के अलावा पृथ्वी विज्ञान भी पढ़ेंगे।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

बाणसागर बांध के रेडियल गेट खोलने के संबंध में सूचना

शहडोल। कार्यपालन यंत्री पक्का बाँध सम्भाग कं. 3 पो.आ. बाणसागर, श्री व्ही. के. ओझा ने जानकारी दी है कि बाणसागर बांध के कैचमेन्ट एरिया में भारी वर्षा एवं बढ़ते हुये जलस्तर को दृष्टिगत रखते हुये बाणसागर बाध के रेडियल गेट आज (12 जुलाई को) खोलकर 2500.00 क्यूमेक्स जल प्रवाह स्पिलओवर के माध्यम से सोन नदी में किया जा रहा है। बाणसागर बांध के जल स्तर में वृध्दि एवं जल आवक दर को दृष्टिगत रखते हुये मुख्य अभियंता गंगा कछार जल संसाधन विभाग रीवा के द्वारा बाणसागर बांध के रेडियल गेट खोलकर स्पिलओवर के माध्यम से 2500 क्यूमेक्स जल प्रथाह सोन नदी में किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

दस्त रोग से बचाव के उपाय

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि दूषित पानी के कारण प्रायः दस्त रोग फैलता है मुख्य रूप से बच्चों में यह अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। दस्त लगने से शरीर से पानी निकल जाने से बच्चे की मृत्यु भी हो सकती है। दस्त रोग की रोकथाम हेतु शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध भोजन का उपयोग करे। सड़े,गले फल एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग ना करें। खाना खाने से पहले एवं शौच के बाद साबुन से अवश्य हाथ धोवे, खुले में शौच ना करे शौचालय का उपयोग करे। घर के आसपास साफ-सफाई रखें। दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिंक सल्फेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करे। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंक कर रखें मक्खीयों से बचाव करे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को राशि की अंतरित

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्राम पंचायत नलवा जिला उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और गैस सिलेंडर उज्जवला योजना के हितग्राहियों के खातों में जुलाई माह की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत एक करोड़ 27 लाख बहनों को 1503 करोड़ 14 लाख की 26वीं किश्त उनके खातों अंतरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 56 लाख 74 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 340 करोड़ की राशि, 30 लाख से अधिक बहनों को उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफलिंग की 46 करोड़ 34 लाख की राशि भी सिंगल क्लिक से अंतरण किया।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअली रूप से शहडोल जिले के लाड़ली बहना योजना के तहत 188921 पात्र लाड़ली बहनाओं हेतु 236151250 रूपये, गैस रिफिल हेतु 33354 हितग्राहियों को 2512010.85 रुपए एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के पात्र हितग्राहियों हेतु राशि अंतरित की। संभागीय मुख्यालय शहडोल में वीडियो कान्फ्रेंसिग के माध्यम से जिला पंचायत के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिलेश मिश्रा परियोजना अधिकारी शहरी आनंद अग्रवाल सहित योजनाओं के लाभान्वित हितग्राही उपस्थित थें

एक लाख से अधिक बहनों के खाते में राशि हुई अंतरित

उमरिया - प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने ग्राम पंचायत नलवा जिला उज्जैन से 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1543.16 करोड़ रूपये अंतरित किए। जिले की एक लाख 9629 बहनों के खाते में राशि अंतरित हुई । कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय उमरिया स्थित एनआईसी कक्ष में देखा एवं सुना गया । इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका तथा लाडली बहने उपस्थित रही ।

जिले में अब तक दर्ज की गई 501.6 मि.मी. औसत वर्षा

शहडोल। अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है की जिले में 11 जुलाई को जिले में कुल 58 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 18 मिमी., बुढ़ार में 10 मिमी., गोहपारू में 22 मि.मी., जैतपुर में 25 मिमी, चन्नौड़ी में 26 मिमी., ब्यौहारी में 251 मिमी, जयसिंहनगर में 54 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून 2025 से अब तक वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 493 मिमी., बुढ़ार में 291 मिमी., गोहपारू में 502 मि.मी., जैतपुर में 616 मिमी, चन्नौड़ी में 627 मिमी., ब्यौहारी में 643 मिमी, जयसिंहनगर में 339 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

कच्चा मकान गिरने से पुजारी की मौत, पानी भरने से घर में फंसे लोग, एसडीआरएफ ने बचाई जान

नदी उफान में आ जाने से एक घर के चारों तरफ जल भराव हो गया, एक परिवार घर के अंदर ही फंस गया

विजय मत, ब्योहारी।

ब्यौहारी क्षेत्र में शुक्रवार शाम बारिश का तांडव देखने को मिला। नदी उफान में आ जाने से एक घर के चारों तरफ जल भराव हो गया। एक परिवार घर के अंदर ही फंस गया। किसी तरह पुलिस तक सूचना पहुंची तो पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम ने चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद परिवार के 6 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान में पहुंचाया गया। वहीं ब्यौहारी से पपौंध मार्ग कल शाम 6 बजे से बंद है। देवलौंद में तेज बारिश की वजह से कच्चा महान गिर गया, जिसके नीचे दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। बाणसागर डैम के तीन गेट आज 12ः00 बजे खोले जाएंगे। जिले में बारिश का दौर लगातार जारी है। तेज बारिश से नदी नाले उफान में हैं। कच्चे मकान बारिश की वजह से गिर रहे हैं, तो कई मार्ग भी बंद हैं।

घर में फंसे लोगों को एसडीआरएफ ने किया रेस्क्यू

ब्यौहारी थाना क्षेत्र के सुखा गांव में झारप नदी शुक्रवार रात 8 बजे से उफान में आ गई। नदी खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी। वहीं राम सुमन कुशवाहा का घर नदी के किनारे है। नदी का पानी घर के चारों तरफ भर गया, जिससे खेत और घर में 6 फीट तक जल भराव हो गया। कुशवाहा परिवार के छह सदस्य घर के ऊंचे स्थान पर जाकर बैठ गए और पुलिस की डायल हंड्रेड को मामले की जानकारी दी। पुलिस की डायल हंड्रेड को इवेंट आया कि हमारे घर में चारों तरफ पानी भर गया है और हम सभी लोग अंदर फंसे हुए हैं। घर के अंदर 6 फीट तक पानी भर गया है। जानकारी लगते ही थाना प्रभारी अरुण पांडे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जानकारी एसडीआरएफ टीम को दी गई, जानकारी के बाद शहडोल से एसडीआरएफ दल मौके के लिए रवाना हुआ। चार घंटे की कड़ी मेहनत के बाद परिवार के सदस्यों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान में लाया गया। थाना प्रभारी अरुण पांडे ब्यौहारी ने बताया कि परिवार में 6 लोग घर के अंदर फंसे थे। चारों तरफ जल भराव हो गया था। सूचना के बाद हमने रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया और रेस्क्यू कर सभी को सुरक्षित स्थान में पहुंचाया गया है।

नदी पुल से ऊपर, मार्ग बंद

ब्यौहारी से पपौंध मार्ग शुक्रवार शाम से ही बंद हो गया था, क्योंकि नौड़िया गांव में स्थित समधिन नदी उफान में थी और खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी। नदी पुल से ऊपर चलने की वजह से मौके पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। शनिवार की तड़के पुल से पानी नीचे उतरा है और मार्ग शुरू हुआ है।

कच्चा मकान गिर पुजारी की मौत

देवलौंद थाना क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश की वजह से कच्चा मकान गिर गया, जिसके नीचे दबने से रामधनी बैस पिता राम भरोसे उम्र 80 वर्ष निवासी चौकी टोला बुढ़वा की मलवे में दबने से मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि रामधनी शिव बाबा मंदिर में पुजारी थे और रात्रि में हुई बारिश के कारण उनका कच्चा मकान गिर गया। घटना उस समय घटी जब वह अकेले घर के अंदर सो रहे थे। सुबह जब लोगों ने पुजारी के मकान को गिरा देखा, तब जाकर पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मलबे को हटाया तो रामधनी का शव पुलिस को मिला है। पुलिस के मामले पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है

बाणसागर डैम के खोले जाएंगे दो गेट

जिले में बीते एक सप्ताह से हो रही लगातार बारिश से नदी नाले ऊफान पर है। नदियों और तालाबों को जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। बाणसागर बांध का जल स्तर शुक्रवार की रात तक 339.6 मीटर तक पहुंच गया है। जल की आवक दर 1791 क्यूमेक्स बताया गया है। बांध के लगातार बढ़ते जल स्तर से कैचमेंट एरिया में तक पानी पहुंच जाने से विभाग अब दो गेट खोले है । मुख्य अभियंता गंगा कछार जल संसाधन विभाग रीवा ने बाणसागर बांध के अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से बांध के रेडियल तीन गेट खोलकर 2500 क्यूमेक्स पानी छोड़ने निर्देशित किया है। मुख्य अभियंता के निर्देश के बाद अब बाणसागर प्रबंधन रेडियल गेट को खोलने की तैयारी में जुट था। प्रबंधन की माने तो शनिवार की दोपहर दो गेट खोले गये और 2500 क्यूमेक्स जल प्रवाह किया। जिले में बीते एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश से जन जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है।

झुंड से भटक कर गोदावल रेंज पहुंचे जंगली हाथियों का तांडव

विजय मत, ब्योहारी।

ब्यौहारी के वन परिक्षेत्र गोदावल में बीती रात एक जंगली हाथी ने तांडव मचाया। आधा दर्जन से अधिक घरों को नुकसान भी पहुंचाया, जिससे ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की टीमें लगातार हाथी की निगरानी तो कर रही हैं, लेकिन हुए नुकसान का मुआवजा बनाने में राजस्व लेट लतीफी कर रहा है। लोगों की मांग है कि इस जंगली हाथी को रेस्क्यू कर बांधवगढ़ जंगल में छोड़ा जाए।

ब्यौहारी के गोदावल रेंज बांधवगढ़ जंगल से सटा हुआ है, जिसकी वजह से आए दिन यहां जंगली जानवरों का आना-जाना आम है। रेंजर ने बताया कि बांधवगढ़ जंगल में जंगली हाथियों का झुंड है, जिससे भटककर एक हाथी इस क्षेत्र में आ गया है। और उसने 6 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों की जानकारी के बाद हमने वन विभाग की टीमें मौके पर भेजी हैं, जो जंगली हाथी की निगरानी कर रही हैं। आसपास के गांव में मुनादी भी की गई है कि लोग सतर्क हो जाएं।

रेंजर गोदावल रजनीश त्रिपाठी ने स्पष्ट किया है कि जिन घरों को हाथी ने नुकसान पहुंचा है, हम मौके पर पहुंच नुकसान हुए चीजों का पंचनामा तैयार कर राजस्व विभाग को इसकी जानकारी दे चुके हैं।

अब राजस्व विभाग नुकसान का मुआवजा देने की प्रक्रिया करेगी। जिनके घरों में हाथी ने नुकसान किया है उनमें नाम दीनदयाल सिंह, सुबह लाल सिंह, राधेलाल सिंह, कौशल सिंह एवम सुरेंद्र चौधरी शामिल हैं। इनके अलावा कुछ अन्य लोगों ने मुआवजे की राशि कम और लेट लतीफी से देने का राजस्व विभाग पर आरोप भी लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि हमारे क्षेत्र में लगातार जंगली हाथियों का मूवमेंट रहता है। इसके पहले भी कई बार जंगली हाथी ने हमारे क्षेत्र में कई घरों को नुकसान पहुंचाया था। वन विभाग ने अपना कार्य किया, लेकिन राजस्व विभाग लेट लतीफी कर नुकसान हुई राशि में कटौती करता है। जिससे हुए नुकसान की भरपाई नहीं हो पाती। दूसरी ओर शहडोल वन परिक्षेत्र की सीमा पर चार जंगली हाथी पिछले पांच दिनों से मौजूद हैं। इधर भी कई घरों को हाथियों ने नुकसान पहुंचा है। यह हाथी अभी घुनघुटी वन परिक्षेत्र में हैं।

नगर सीमा विस्तार की फाइलें धूल फांक रहीं

11 गांवों का नगरीकरण अधर में, जनपद की लापरवाही बनी बाधा

विजय मत, शहडोल।

नगर की सीमा से लगे ग्राम पंचायतों को नगर पालिका क्षेत्र में शामिल करने की प्रक्रिया बीते दस वर्षों से अधर में लटकी हुई है। नगर पालिका द्वारा शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजने और प्राथमिक प्रक्रिया पूर्ण होने के बावजूद अंतिम कार्यवाही कर्मचारियों की जानकारी के अभाव में रुकी हुई है। जनपद पंचायत सोहागपुर द्वारा आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिससे विकास के सपनों को गहरा झटका लगा है।

दस साल पहले भेजा गया था प्रस्ताव -नगर पालिका शहडोल ने लगभग 10 वर्ष पूर्व नगर की सीमा से लगी ग्राम पंचायतों को नगरीय क्षेत्र में शामिल करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा था। इसमें पिपरिया, कोटमा, कुदरी, गोरतरा, कोइलारी, विचारपुर, कल्याणपुर, जमुआ, छतरपुर, चांपा और जमुई गांवों को नगर पालिका क्षेत्र में सम्मिलित करने की अनुशंसा की गई थी। प्रथम प्रकाशन एवं राजपत्र में प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, लेकिन अंतिम प्रकाशन एवं कर्मचारियों के संविलियन की कार्रवाई अब तक लंबित है।

कर्मचारियों की जानकारी नहीं भेज पाया जनपद पंचायत -शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी ने जनपद पंचायत सोहागपुर को 9 नवंबर 2024 को पत्र भेजकर संबंधित ग्राम पंचायतों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों की जानकारी, नियुक्ति की छायाप्रति, उपस्थिति पंजी और वेतन भुगतान से जुड़ी जानकारी मांगी थी। विभाग द्वारा बार-बार पत्राचार करने के बावजूद जनपद पंचायत ने कोई भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई। इसके बाद पुनः 9 जनवरी 2025 को पत्र भेजा गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

लापरवाही के चलते अटकी शहरी विकास की योजनाएं -जनपद पंचायत की लापरवाही के कारण न केवल नगर पालिका सीमा विस्तार की प्रक्रिया रुकी हुई है, बल्कि संभावित रूप से नगर निगम बनने की संभावना पर भी विराम लग गया है। यदि प्रस्तावित 11 गांव नगर पालिका क्षेत्र में जुड़ते हैं, तो शहडोल की जनसंख्या में बढ़ोत्तरी होगी और निकाय को नगर निगम का दर्जा मिल सकता है। लेकिन जनपद पंचायत की ओर से मांगी गई मूलभूत जानकारी भी नहीं भेजे जाने से समस्त प्रक्रिया अनिश्चितकाल के लिए टलती जा रही है।

जनपद पंचायत से संपर्क असफल, शासन स्तर पर रोष - विभागीय सूत्रों का कहना है कि शासन स्तर पर भी जनपद की उदासीनता को लेकर नाराजगी है। यदि शीघ्र ही जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई तो शासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

पीएम श्री कन्या शिक्षा परिसर पाली व एकलब्य विद्यालय में बच्चों का हुआ जन्मजात हृदय परीक्षण

उमरिया जिले के पाली में आज पीएम श्री कन्या शिक्षा परिषद पाली में एसईसीएल के सीएसआर फण्ड से श्रीसत्यसाईं संजीवनी क्लिनिक हॉस्पिटल रायपुर के द्वारा पीएम श्री कन्या शिक्षा का परिसर पाली एवम एकलब्य आवासीय विद्यालय पाली में कैंप लगाकर विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों का जन्मजात हृदय से सम्बंधित जांच कर रिपोर्ट को रायपुर भेजा जाएगा जिसमे गम्भीर बीमारी वाले बच्चों श्री सत्यसाई संजीवनी हॉस्पिटल रायपुर के द्वारा निःशुल इलाज किया जाएगा कैम्प का सफल संचालन प्राचार्य श्रीमती सरिता जैन के प्रयासों से इस कैंप का सफल आयोजन हुआ जिसमें बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित जन्मजात हृदय स्क्रीनिंग की गई जिसकी रिपोर्ट प्रात होने के बच्चों निःशुल इलाज किया जाएगा बच्चों को आने जाने की सुविधा भी निःशुल्क रहेगी। एवम समस्त स्टाफ़ की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ जिसमें इन विद्यालयों के अलावा अन्य विद्यालयों के बच्चों के स्वाथ्य का परीक्षण किया गया।बता दें कि सत्यसाईं संजीवनी हॉस्पिटल रायपुर के द्वारा पिछले 12 वर्षों में कुल 37 हजार से अधिक बच्चों को जन्मजात हृदय रोग से सम्बंधित लोगो का स्क्रीनिंग कर निशुल्क इलाज किया गया है ।

चुनौती

शिक्षकों की ई-अटेंडेंस प्रणाली शुरुआत में ही विफल, सर्वर खराबी और विभागीय असमंजस बनी बड़ी चुनौती

शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने की कवायद

विजय मत, शहडोल।

जिले में शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की लगातार अनुपस्थिति और असमय विद्यालय पहुंचने जैसी समस्याओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शासन ने जिले के स्कूलों में ई-अटेंडेंस प्रणाली अनिवार्य कर दी है। इसके तहत शिक्षकों को निर्धारित समय में विद्यालय पहुंचकर और विद्यालय से छुट्टी के समय ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करनी है। हालांकि यह व्यवस्था अपने प्रारंभिक चरण में ही तकनीकी खामियों और प्रशासनिक असंतुलन के चलते लड़खड़ाती नजर आ रही है।

विभागीय असंतुलन बना सबसे बड़ी बाधा - शहडोल जिले में कुल 2100 से अधिक विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें से 4 विकासखंडों के लगभग 1800 विद्यालय जनजातीय कार्य विभाग के अधीन हैं, जबकि शेष एक ब्लॉक के 354 विद्यालयों की निगरानी शिक्षा विभाग करता है। शिक्षा विभाग के अधीन विद्यालयों में ई-अटेंडेंस प्रणाली लागू कर दी गई है, लेकिन जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी अब तक इस दिशा में निर्देश प्राप्त नहीं होने का हवाला देकर इस व्यवस्था से दूरी बनाए हुए हैं। इसका सीधा असर शिक्षक वर्ग में भ्रम और असमंजस की स्थिति के रूप में देखा जा रहा है।

80 फीसदी विद्यालयों में व्यवस्था लागू ही नहीं हो पाई -जिले के 80 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों का संचालन जनजातीय कार्य विभाग करता है। इन स्कूलों में लगभग 3800 शिक्षक और शिक्षकीय स्टाफ कार्यरत हैं। विभाग को अब तक ई-अटेंडेंस को लेकर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं मिलने के कारण इन विद्यालयों में यह व्यवस्था लागू नहीं हो सकी है।

जहां लागू, वहां सर्वर बन रहा बाधा -ब्योहारी विकासखंड में शिक्षा विभाग के अधीन संचालित 354 विद्यालयों में लगभग 900 शिक्षक कार्यरत हैं, लेकिन उनमें से केवल 10 प्रतिशत शिक्षक ही अपनी उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज कर पा रहे हैं। शिक्षकों और अधिकारियों दोनों का कहना है कि एप अक्सर खुलता ही नहीं या खुलने के बाद भी अटेंडेंस दर्ज नहीं हो पाती। विभागीय अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें न तो एप की निगरानी का कोई अधिकार दिया गया है, न ही किसी प्रकार की तकनीकी जानकारी या एक्सेस मुहैया कराई गई है।

प्रशिक्षण के बाद नहीं मिला कोई स्पष्ट निर्देश - हालांकि शिक्षकों को पूर्व में ई-अटेंडेंस प्रणाली को लेकर प्रशिक्षण दिया गया था, लेकिन प्रशिक्षण के बाद अब तक शासन स्तर से कोई आधिकारिक निर्देश या आदेश जारी नहीं किए गए हैं। परिणामस्वरूप अधिकांश शिक्षक अभी भी परंपरागत प्रणाली के अनुसार कार्य कर रहे हैं। ई-अटेंडेंस को लेकर राज्य शिक्षक संघ सहित विभिन्न शिक्षक संगठनों ने भी विरोध जताया है। उनका कहना है कि यदि यह प्रणाली शिक्षक वर्ग के लिए अनिवार्य की जा रही है, तो अन्य सभी विभागों में भी इसे समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। केवल शिक्षकों को लक्ष्य बनाना अन्यायपूर्ण और भेदभावपूर्ण है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-अनूपपुर (म0प्र0)

E-mail modgmanu@mp.gov.in

क्र./ / खनिज /2025/ अनूपपुर, दिनांकः-

म0प्र0 गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा आवेदन प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स शिव स्टोन कशर प्रो0 श्री संतोष मंगलानी निवासी कोतमा रोड बुढार, तहसील बुढार जिला शहडोल न0प्र0 द्वारा उत्खनिपटटा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदनपत्र दिनांक 30.05.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक-744/ खनिज /2025 दिनांक 02. 06.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र क्षेत्र पर पुनः दिनांक 27ः07.25 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदक का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकवा (हेक्टेयर में)	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
अनूपपुर	पुष्पराजगढ़	सालरगोंदी	170/1, 173	1.983	शा.भूमि	पत्थर/गिट्टी	नवकरण

1. उपरोक्त प्रस्तुत प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5ः30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदनपत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिजनियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता त्तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष मेंनियमानुसार खनिरियायत स्वीकृति पर विचार किया जासकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

उप संचालक
खनि प्रशासन
जिला-अनूपपुर (म0प्र0)

G15485/25

न्यूज इन शॉर्ट

परिक्षेत्र सहायकों को मोटरसाइकिल का किया गया वितरण

उमरिया - बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में पूर्व में आवंटित मोटरसाइकलें पुरानी होने के कारण बार-बार खराब हो रही थी उनके स्थान पर प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों की कठिनाइयों को देखते हुए, 15 नई मोटरसाइकिल का वितरण बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक एवं उप संचालक द्वारा किया गया। ये मोटरसाइकिलें संबंधित क्षेत्र के परिक्षेत्र सहायक, बरबसपुर, धीरखोह, रायपुर, मानपुर, कुचवाही, बिजौरी, समरकोईनी, खिचकिड़ी, कठई, पनपथा, पथरहटा, बरही, खितौली, कल्लवाह, ताला को प्रदान की गई हैं, ताकि वे वन एवं वन्यप्राणियों की निगरानी एवं अन्य सुरक्षा गतिविधियों को बेहतर ढंग से संपन्न कर सकें। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा जिससे उनकी कार्यक्षमता एवं प्रतिबद्धता में वृद्धि होगी।

जिला मानीटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन की बैठक 14 जुलाई को

उमरिया । भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिले के लिए जिला स्तर पर दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों की चुनाव प्रक्रिया में अधिकतम सहभागिता व साझेदारी को सुनिश्चित करने, उनको दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा एवं उपायों को कारगर बना कर चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाने हेतु जिला स्तरीय समिति जिला मानीटरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन का पुर्नगठन किया गया है। समिति के सभी सदस्यों को आयोग के निर्देशों से अवगत कराने के संबंध में 14 जुलाई को अपरान्ह 12.30 बजे से टी0एल0 बैठक की समाप्ति उपरांत समय अपरान्ह 12.30 बजे कलेक्टर सभागार कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जान से मारने की धमकी देने पर मामला कायम

उमरिया । मानपुर थाना अंतर्गत गजाधर चौधरी के खेत के पास ग्राम अमिलिया मे आरोपी द्वारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार बुध्दी बाई चौधरी पति पूरनलाल चौधरी उम्र 35 साल की षिकायत पर पुलिस ने आरोपी संतोष चौधरी, चुटवादा चौधरी, गोरे लाल चौधरी पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

एक्सीडेंट करने पर मामला कायम

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत सुलभ काम्प्लेक्स के पास न्यायालय के सामने अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक्सीडेंट कर दिया गया । जानकारी अनुसार करूणा रावत पति स्व0 बुध्दसेन कोल उम्र 31 साल निवासी शांति मार्ग की षिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के विरूध्द मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

बिना सूचना घर से लापता हुई महिला, पुलिस ने किया दस्तयाब

अनूपपुर। भालूमाड़ा थाना क्षेत्र से बिना सूचना घर से लापता हुई महिला को पुलिस ने पति की दर्ज कराई गई सूचना उपरांत दस्तयाब किया है, जिसे दस्तावेजी कार्रवाई के उपरांत परिजनों को सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि 11 जुलाई को भालूमाड़ा के गुमइंसान के सूचनाकर्ता गोरेलाल चौधरी पिता मयकू चौधरी उम्र-55 वर्ष निवासी ग्राम दैखल चौकी फुनगा की दिनांक 1 जुलाई को दर्ज कराई गई सूचना जिसमें 30 जून को शाम 6.30 बजे पत्नी दुर्गा चौधरी उम्र 40वर्ष के बिना बताए कही चली गई है पर जांच कार्रवाई करते हुए 11 जुलाई को महिला को ग्राम पाली चौकी फुनगा थाना भालूमाड़ा से दस्तयाब कर उसके पति को सुपुर्द किया गया हैं।

बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं, बिना परमिट व प्रदूषण पत्र सहित 5 स्कूल बसों पर कार्रवाई

29000 का लगा जुर्माना, 7 बच्चों को ट्रैफिक नियमों की क्लास के लिए चॉकलेट

विजय मत, अनूपपुर।

स्कूलों की आड़ में बिना प्रमाण पत्रों और सुको की गाइड लाइन के विपरीत दौड़ रही वाहनों पर यातायात पुलिस के साथ अनूपपुर हाईवे ट्रैफिक टीम ने कमर कस लिया है, जहां जहां बच्चे की सुरक्षा की बात होगी,लापरवाही नहीं बर्दाश्त की जाएगी। इसी तर्ज पर पूर्व में यातायात पुलिस ने अभियान चलाए अब अनूपपुर हाईवे ट्रैफिक टीम अभियान चला रही है, शुक्रवार को अनूपपुर यातायात हाईवे चौकी पुलिस ने स्कूल वाहनों पर विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान में बसों की गहन जांच की गई और जांच के दौरान सामने आया कि 5 स्कूल बसें बिना वैध परमिट और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र एवं नियम विरुद्ध संचालित हो रही है। इन बसों पर 29000 रुपए का जुर्माना लगाया गया और बस संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई।

बच्चों को बस में ही दी ट्रैफिक शिक्षा

जांच अभियान और कार्रवाई के दौरान अनूपपुर हाईवे ट्रैफिक टीम ने बस के अंदर ही स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। चौकी प्रभारी विनोद दुबे ने बताया कि जब बसों को रोका गया, तब उनमें छोटे-छोटे मासूम बच्चे बैठे थे। असहजता को देख हाईवे ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने वहीं बच्चों को ट्रैफिक नियमों की सरल और मनोरंजक जानकारी दी, जैसे सड? कैसे पार करें,ज़ेब्रा क्रॉसिंग का मतलब, सिग्नल के रंगों का अर्थ, सीट बेल्ट और हेलमेट की अहमियत। वहीं बच्चों को सहज करने के लिए पुलिसकर्मियों ने उन्हें चॉकलेट बांटीं, जिससे उनके चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई। चौकी प्रभारी का कहना था कि पुलिस का काम केवल चालान काटना नहीं, बच्चों की हिफाजत और समाज को शिक्षित करना भी है।

मजदूर कांग्रेस व सहायक मंडल अभियंता के बीच 9 एजेंडों पर चर्चा, कई पर बनी सहमति

विजय मत, अनूपपुर।

रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा पेंड्रारोड़ द्वारा अपने पंचशील कार्यक्रम के तहत रेलवे कॉलोनी में शाखा के अंतर्गत छुलहा जैतहरी से खोंगसरा तक रोड़ साइड स्टेशन व रेलवे कार्यालय, कॉलोनी पदयात्रा, रेल कर्मचारी जनसंपर्क कर रेल कर्मचारियों के समस्याओं को प्राप्त कर रेल प्रशासन से चर्चा करके निराकरण करती है। मजदूर कांग्रेस शाखा पेंड्रारोड़ के शाखा सचिव एन हेमंत कुमार ने बताया कि पदयात्रा व रेल कर्मचारी जनसंपर्क यात्रा के दौरान रेलवे कर्मचारियों से प्राप्त समस्याओं को लेकर लिखित एजेंडा 25 अप्रैल को सहायक मंडल अभियंता पेंड्रारोड़ को दिया गया था। मजदूर कांग्रेस के लिखित एजेंडा पर 11 जुलाई को विशेष औपचारिक बैठक हुई। जिसमें रेल प्रशासन की ओर से सहायक मंडल अभियंता पेंड्रारोड़ मृत्युंजय कुमार मोहन, सीनियर सेक्शन इंजीनियर(रेल पथ) इंचार्ज हरिओम सोनवार, सीनियर सेक्शन इंजीनियर(कार्य) अबोध कुमार, रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर की ओर से जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, शाखा सचिव पेंड्रारोड़ एन हेमंत कुमार, शाखा पदाधिकारी इरसाद अहमद, प्रभाकर राव, वीर सिंह मीणा शामिल हुए।

इनमें सीनियर सेक्शन इंजीनियर रेल पथ पेंड्रारोड़ व खोंगसरा में चाबीदार के कार्यक्षेत्र बीट की लम्बाई में एकरुपता लाने, की-मेन की बीट की लम्बाई कम करने, ट्रैक मेंटेनर को चार्टशीट की अधिकता को कम करने, खाली पदों पर भर्ती, भनवारटंक स्टेशन में बाइक स्टैंड और स्टेशन पहुंच मार्ग को सीसी सड? बनाने, रनिंग कर्मचारियों के लिए साइकिल स्टैंड, अमृत स्टेशन में तोड़े गए चिल्ड्रन पार्क व बैडमिंटन कोर्ट का सर्वे कर नया बनाने, कॉलोनी व कार्यालय स्थित पेड़ों की छंटाई, सभी रेलवे कार्यालय में महिला टॉयलेट, पूर्व मान्यता प्राप्त यूनियन मजदूर कांग्रेस के साथ संयुक्त सर्वे कर विकास व सुधार, टीआरडी विभाग के कर्मचारियों के आईओडब्लू पेंड्रारोड़ के सामने साइकिल स्टैंड बनाने पर सहमति बनी।

न्यायाधीश ने पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत, 10 हजार पौधों का होगा रोपण

विजय मत, अनूपपुर।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा चलाये जा रहे 'पंच-ज' अभियान के अंतर्गत 'विधिक सेवा, प्रकृति की रक्षा' शीर्षक से एक राज्यव्यापी वृहद पौधारोपण विशेष अभियान का अनूपपुर जिले में आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 15 जुलाई से 15 सितम्बर तक चलाया जाएगा। जिस अनुक्रम में अनूपपुर जिले में कम से कम 10 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। इस वृहद पौधारोपण विशेष अभियान का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल द्वारा जिला न्यायालय परिसर अनूपपुर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मनोज कुमार लडि?ा, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल, जिला न्यायाधीश विक्रम सिंह, जिला न्यायाधीश पवन कुमार शंखवार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चौनवती ताराम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार वर्मा, न्यायिक दंडाधिकारी अरविन्द कुमार बरला, न्यायिक दंडाधिकारी अमनदीप सिंह छाबड़ा, न्यायिक दंडाधिकारी बॉबी सोनकर, न्यायिक दंडाधिकारी सुधा पांडेय, न्यायिक दंडाधिकारी सुनील कुमार खरे, न्यायिक दंडाधिकारी निखिल सिंघई, न्यायिक दंडाधिकारी सृष्टि साहू, जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल, अधिवक्ता बार संघ के अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेंटियर एवं न्यायालयीन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

11 वर्ष से फरार वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तारी

अनूपपुर। बिजुरी पुलिस ने पिछले 11 वर्ष से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार किया है, जहां न्यायलय के समक्ष किया गया है। थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि 11 जुलाई डीआर कावडे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोतमा अनूपपुर के न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 1630/14 धारा 399,402 व 25,27 आर्म्स एक्ट के फरार वारंटी पंचम सिंह गोंड़ पिता महा सिंह गोंड निवासी जरवाही थाना राजेंद्रग्राम को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

सेंट जोसेफ विद्यालय में धूमधाम से सम्पन्न हुआ गुरु पूर्णिमा समारोह

विजय मत, उमरिया।

जिले के बिरसिंहपुर पाली गुरु-शिष्य परंपरा की गौरवशाली विरासत को समर्पित गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सेंट जोसेफ विद्यालय, बिरसिंहपुर पाली में एक भव्य और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं और अभिभावकों के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करते हुए विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी भावनाएं अभिव्यक्त कीं।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक परंपरा के अनुसार गुरु मंत्र वाचन से हुई, जिसके बाद बच्चों ने अपने अभिभावकों और शिक्षकों का तिलक कर स्वागत किया। इस अद्भुत दृश्य ने सभी को भावविभोर कर दिया। बच्चों की सादगी, भावनात्मक समर्पण और अनुशासित प्रस्तुति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

विद्यालय प्रांगण में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य, गीत, नाट्य और कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने गुरु की महत्ता को रेखांकित किया। गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु पर आधारित समूह गीत ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त बच्चों ने सामाजिक मुद्दों पर लघु

नाटिका के माध्यम से यह संदेश भी दिया कि गुरु के मार्गदर्शन में ही जीवन का सच्चा उत्थान संभव है।

इस अवसर पर सेंट जोसेफ विद्यालय के द्वारा सभी उपस्थितों के लिए सुरुचि भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों, अभिभावकों और अतिथियों ने सहभागिता की और इसे एक पारिवारिक उत्सव का रूप दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी राजेशचंद्र मिश्रा ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु हमारे जीवन की दिशा तय करते हैं। उनका मार्गदर्शन हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन जीने और शिक्षकों का आदर करने की प्रेरणा दी। विद्यालय संचालक सेबेस्टियन जॉर्ज ने भी विद्यार्थियों को जीवन में नैतिकता और विनम्रता बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में तकनीक का उपयोग आवश्यक है, लेकिन छात्रों को मोबाइल जैसे उपकरणों से दूरी बनाकर पढ़ाई और आत्मविकास पर ध्यान देना चाहिए। श्रमिक नेता अमृत लाल विश्वकर्मा ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि गुरु केवल विद्यालय में पढ़ाने वाला शिक्षक ही नहीं होता, बल्कि माता-पिता और समाज के मार्गदर्शक भी हमारे गुरु होते हैं। उन्होंने बच्चों को हमेशा सकारात्मक सोच रखने और मेहनत के बल पर आगे बढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, अभिभावकगण, शिक्षकगण और विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की और विद्यालय प्रबंधन को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। गुरु पूर्णिमा के इस आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों के मन में अपने गुरुओं के प्रति आदरभाव को और गहराया, बल्कि अभिभावकों को भी यह अनुभव कराया कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि मूल्य और संस्कृति का संवाहक भी है।

दुर्घटना

स्कूली बस का ब्रेक हुआ फेल, घर से दीवार से टकराई, बड़ा हादसा टला

बस में नहीं थे बच्चे, बस का कंप्रेशर कई दिनो से था लीक

विजय मत, कोतमा।

कोतमा नगर के वार्ड क्रमांक 2 रेलवे फाटक तिराहे के पास शनिवार को एक निजी स्कूल की बस का ब्रेक फेल हो गया, जहां बेलगाम गति से दौड़ती बस पास के घर की दीवार से टकरा गई। जोरदार धमाके के आवाज के साथ बस दीवार से टकराकर रूक तो गई, लेकिन इस घटना को देखने के उपरांत स्थानीय लोगों को पिछले माह ही भालूमाड़ा में एक स्कूली बस के नीचे आकर 4 वर्षीय मासूम बच्ची की दिव्यांगता बनने का मंजर सामने आ गया। हालांकि घटना की सूचना पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। शुक्र था कि बस खाली थी, बस के अंदर कोई स्कूली बच्चे नहीं थे, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जाता है कि जहां बस दुर्घटना का शिकार बनी है वहां आसपास घनी आबादी वाला क्षेत्र है। वहीं इस घटना में घर की पट्टी, लोहे का शटर एवं छज्जे के हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है।

घंटो मचा बवाल, चालक पर कार्रवाई की मांग

सुबह 10 बजे के लगभग हुई घटना के बाद मकान मालिक राजकुमार जैन, अक्षय जैन शंभू जैन की परिवार व आसपास के लोग काफी आक्रोशित नजर आए। बस चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग को लेकर घंटों हंगामा होता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस चालक तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाने से दुर्घटना हुई है। अनियंत्रित गति से मोड़ते हुए दूसरों को भी दुर्घटना करते-करते बचाया और ले जाकर मकान में भिड़ा दिया। बताया जाता है कि बस घर की दीवार एवं शटर से टकराई तो तेज धमाका हुआ। जानकारी के अनुसार बस का कंप्रेशर कई दिनों से लीक था, जिसके कारण ब्रेक फेल होने से दुर्घटना हुई। जिसमें चालक की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। सूचना पर स्कूल प्रबंधन, पुलिस एवं अन्य लोग भी पहुंचे। प्रबंधन द्वारा घटना पर दुःख प्रकट करते चालक के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया। जिसके बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ।

पूर्व में लापरवाही में मासूम बनी दिव्यांग

विदित रहे कि अभी हाल में ही भालूमाड़ा थाना अंतर्गत कदमटोला के पास एक निजी विद्यालय की बस ने चार वर्षी मासूम बच्ची को कुचलते हुए जीवन भर के लिए दिव्यांग बना दिया। उस मामले की जांच पूर्ण नहीं हो पाई थी एवं बच्ची का अभी भी उपचार जारी है। शनिवार को हुई नई घटना ने लोगों के आक्रोश को बढ़ा दिया बताया जा रहा है कि नगर में संचालित दो दर्जन के लगभग बड़े विद्यालयों में बिना परमिट, फिटनेस एवं कुशल चालक के बगैर ही वाहनों को दौड़ाया जाता है जिसके परिणाम स्वरूप आए दिन दुर्घटनाएं सामने आ

एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत ग्राम सिगुड़ी में हीमोग्लोबिन की गई जांच

उमरिया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदल ने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत विकासखंड मानपुर के ग्राम सिगुड़ी में सपोर्टिव सुपरविजन में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ग्राम के किशोर किशोरियों को एनीमिया मुक्त करने के लिए हीमोग्लोबिन की जांच ए एन एम शशि पटेल द्वारा की गई , इसमें ग्राम के कुल 26 किशोर एवं किशोरियों की जांच की गई इसमें दो किशोर किशोरियों को हीमोग्लोबिन कम होने पर आईएफसी की दवा वितरण की गई एवं संतुलित पोषण आहार के संबंध में जागरूक किया गया गतिविधि में प्रशिक्षक हर्ष कुमार पाण्डेय, पूजा पाण्डेय ग्राम की आशा दीदी रेखा पटेल तथा साथिया के साथ ग्राम के किशोर किशोरियां उपस्थित रहे।

फावड़ा से वार कर हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

विजय मत, कोतमा।

कोतमा न्यायालय के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम सिंह की अदालत ने गुरुवार को हत्या के आरोपी 40 वर्षीय नानबाबू साहू निवासी बसखला को आजीवन कारावास की कठोर सजा के साथ 5 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक राजगौरव तिवारी द्वारा की गई।अभियोजन के अनुसार घटना 5 फरवरी 2022 की शाम के दौरान की है। बच्चों के खेलने के दौरान हुए विवाद पर 55 वर्षीय दयाराम गुसा के द्वारा नानबाबू साहू के लडके राहुल को समझाने गया था, उसी दौरान नानबाबू अपने घर से फावड़ा लाकर दयाराम के सर में ताबड़तोड़ प्रहार कर मरणासन्न कर दिया। परिजनों द्वारा कोतमा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद शहडोल ले जाने के दौरान रास्ते में सांस उखड़ गई। मृतक के भाई बाल्मीक गुसा की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ धारा 302 आईपीसी में केस दर्ज किया गया था। विवेचना अधिकारी उप निरीक्षक रामेश्वर बैस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त फावड़ा, खून से सने कपड़े सहित अन्य वस्तुएं जब्त की गई। अपर सत्र न्यायालय में सनसनीखेज प्रकरण की सुनवाई, गवाहों के बयान, साक्ष्य एवं विशेष लोक अभियोजक राजगौरव तिवारी के तर्कों के आधार पर दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी नानबाबू साहू 40 पिता टेकन साहू को आजीवन कारावास की सजा के साथ 5 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

देश के सेना और वैज्ञानिक को सम्मान करना चाहिए

आज सब अपना देखते हैं यही ख़र्ज है आज महंगाई में मिडिल क्लास का जीना हराम हो गया है सैलरी लगता खुब मिलता है लेकिन खर्च भी बढ़ता जा रहा है 100 रूपये का आज क्या वैल्यू है उसपर सब्जी का फल का रेट देखिए अब वो जमाना गया कि कैसे भी एडजस्ट करते थे और पढ़ाई भी सस्ती थी सब्जियाँ फल तो घर में ही उगा लेते थे और काम भी चल जाता था अब बिगबास्केट, ज़ेप्टो, ग्रोफर जैसी तमाम ग्रोसरी से लेकर फल सब्जियाँ देती है घर पर ही जो ताजी नहीं मिलती और बापस करने पर तमाम तरह के फोटो रिटर्न्स नहीं होगा और ठगा ठगा महसूस करता है बिगबास्केट तो बिल्कुल ख़राब समान दे रहा है कितनी बार फंगस लगा हुआ मिला और बार बार ऐसा होने पर अकाउंट ही लॉक कर दिया दरअसल मैं ऑनलाइन के चक्कर में नहीं रहता हूँ लेकिन ऐ आज फॅमिली की पसंद बन गई है पहले सब्जी खरीदने बाजार निकलते थे उससे कई गुना सस्ता समान आज भी आप सब्जियाँ बाजार से खरीद कर देखें इससे आपके दो फायदा होगा आपका घूमना भी होगा और वहाँ भी जो अच्छा होगा आप चुन कर लेंगे और इसी बहाने फल भी खरीद लेंगे आप एक बार आजमाने की कोशिश करें हाँ किराना का सामान हो सकता है सस्ता ना मिले लेकिन घुन या फंगस लगा हुआ सामान नहीं मिलेगा क्योंकि वहाँ किराना स्टोर उसे फेंक देती है जबकी बिगबास्केट आदि यही सामान को बिल्कुल एक्सपायरी डेट के करीब का देती है जो एक तरह से रोड पर मारा मारा फिरता है और कई तो उसे एक्सपायरी डेट को ही रीप्रिंट कर देते है पहले सामान दिखा कर उसी के हिसाब से रेट मिलता था और सस्ता था उसे भी बेचना है आप दादर का भाजी मार्केट देखिए वहाँ कुछ समय सुबह तक खुब भाजी मिलता है जिसे जोमाटो और अन्य ऑनलाइन जो खाने का सामान देते है यहाँ तक की होटल भी निकला खुब लेते है सुबह में सुन्दर दीखता है और जैसे ही मुंबई महानगर के लोग सफाई के लिए आते है वो रोड पर मारा मारा फिरता है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

वन्यजीव संकट : टूटती पारिस्थितिकी की कड़ी

सोनम लवंशी

हमारे देश में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल औपचारिकता बन कर न रह जाए, इसके लिए अब गहराई से चिंतन की आवश्यकता है। इस उत्सव का मूल उद्देश्य वनों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है। क्या एक सप्ताह की सक्रियता हमारे घटते वनों की पीड़ा को शांत कर सकती है? भारत एक समय हराभरा देश था। आज ये हरियाली लगातार सिकुड़ती जा रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल वन क्षेत्र लगभग 80.73 मिलियन हेक्टेयर है, जो कि भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का मात्र 24.62 प्रतिशत है। यह आंकड़ा सुनने में बड़ा प्रतीत होता है। जब यह ज्ञात होता है कि इसमें से 12 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल स्क्रब, झाड़ियाँ या क्षतिग्रस्त वन भूमि है, तब स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। वैश्विक औसत के मुकाबले भारत वन आच्छादन में अब भी पीछे है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, किसी देश का कम से कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अब भी अधूरा है। वन केवल हरियाली नहीं हैं, ये एक जटिल परिस्थकीय तंत्र का हिस्सा हैं। वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वनों के कारण वर्षा होती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, भूजल स्तर संतुलित रहता है और जैव विविधता संरक्षित होती है। भारत जैसे देश में जहां कृषि मुख्य व्यवसाय है, वहां वनों का विनाश सीधे तौर पर किसान की आजीविका से जुड़ा होता है। वन कटने से मिट्टी का कटाव बढ़ता है। जल स्रोत सूखने लगते हैं। इसका असर खाद्य उत्पादन, पशुपालन और ग्रामीण जीवन की स्थिरता पर गहरा पड़ता है। आर्थिक विकास के नाम पर सड़कें, रेललाइन, बिजली परियोजनाएं और उद्योग वनों को निगल रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में विकास परियोजनाओं के चलते 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र साफ किया गया है। कई बार यह कटाई उस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है, जिसे बनने में सैकड़ों साल लगे थे। उदाहरण के तौर पर मध्य भारत के जंगलों में पाए जाने वाले बाघ, हाथी, गौर, और अन्य कई प्रजातियों का आवास क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। जैव विविधता का यह संकट केवल वन्यजीवों का नहीं, मानव जाति का भी है। बढ़ती वन कटाई और अवैध शिकार का एक दर्दनाक प्रमाण देश में बाघों की लगातार हो रही मौतें हैं। वर्ष 2025 के पहले छह महीनों में ही 107 बाघ अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें 20 मासूम शावक भी शामिल हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है और बीते पाँच वर्षों में सबसे भयावह आँकड़ा है।

> आर्थिक विकास के नाम पर सड़कें, रेललाइन, बिजली परियोजनाएं और उद्योग वनों को निगल रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में विकास परियोजनाओं के चलते 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र साफ किया गया है। कई बार यह कटाई उस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है, जिसे बनने में सैकड़ों साल लगे थे। उदाहरण के तौर पर मध्य भारत के जंगलों में पाए जाने वाले बाघ, हाथी, गौर, और अन्य कई प्रजातियों का आवास क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। जैव विविधता का यह संकट केवल वन्यजीवों का नहीं, मानव जाति का भी है।

वर्ष 2021 से अब तक देश में 666 बाघ मृत पाए गए हैं। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे अधिक मौतें दर्ज हुई हैं, जो बताता है कि जंगलों का सिकुड़ता दायरा और मानवीय दखल अब उन प्रजातियों को भी निगल रहा है, जिन्हें हमने कभी 'राष्ट्रीय गौरव' कहा था। वैसे भी जब एक पारिस्थितिक तंत्र नष्ट होता है, तो उसकी कड़ी में जुड़े सभी अंग प्रभावित होते हैं जिनमें हम भी शामिल हैं। वनों के संरक्षण के लिए सरकारें पौधरोपण अभियान चलाती हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह पर्याप्त है? बरसात के मौसम में लगाए गए पौधे जीवित भी रह पाएँ, इसके लिए देखरेख और स्थानीय लोगों की सहभागिता आवश्यक है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगाए गए लगभग 60 प्रतिशत पौधे पहले दो वर्षों में ही सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। इसका कारण केवल जलवायु नहीं है। प्रशासनिक लापरवाही, देखरेख की कमी और जनमानस में स्वामित्व की भावना का अभाव भी इसकी वजहें हैं।

'चिपको आंदोलन' की तरह आज फिर से एक जनआंदोलन की ज़रूरत है। सोशल मीडिया पर पर्यावरण बचाने की बातें करने से आगे बढ़ना होगा। स्थानीय स्तर पर पौधे लगाने, उन्हें संरक्षित करने और जंगलों को बचाने के ठोस प्रयास करने होंगे। वनों का संकट केवल वन विभाग का विषय नहीं है। यह पूरे समाज का प्रश्न है। वनों को बचाने के लिए नीति निर्धारण में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। केवल शहरी क्षेत्रों में पौधरोपण कर लेने से पर्यावरण नहीं बचेगा। ग्रामीण और वनवासी क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक वनों की रक्षा ज़रूरी है। वनवासी समुदायों का पारंपरिक ज्ञान, जंगल से उनका संबंध, और उनकी जीवनशैली को संरक्षण के केंद्र में लाना होगा। वन महोत्सव का यह सप्ताह महज एक उत्सव नहीं है। यह एक चेतावनी है। समय रहते नहीं चेते तो सांस लेने के लिए हवा भी बाजार में बिकेगी और पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष होगा। यह स्वीकार करना होगा कि वन हमारे लिए नहीं, हम वनों के लिए हैं। जब तक यह भाव मन में नहीं आएगा, तब तक कोई भी वन महोत्सव केवल औपचारिक रस्म बनकर रह जाएगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

बचपन में दिल का दर्द : क्या हमारी जीवनशैली मासूम धड़कनों की दुश्मन बन गई है?

प्रियंका सौरभ

भारत में बच्चों में हार्ट अटैक की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसका संबंध बच्चों की बदलती जीवनशैली, खान-पान, मानसिक तनाव और स्क्रीन टाइम से है। स्कूलों में नियमित हेल्थ जांच, योग, पोषण शिक्षा और अभिभावकों की जागरूकता से ही इस खतरे को रोका जा सकता है। यह केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतावनी है। पिछले कुछ महीनों में देशभर से कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जो इस खतरे की गंभीरता की पुष्टि करती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले का है, जहां आठ साल की मासूम बच्ची स्कूल गेट पर पहुंचते ही गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। इससे पहले गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से भी स्कूली बच्चों की हार्ट अटैक से हुई मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इंडियन मेडिकल जर्नल्स के अनुसार, 2021 और 2022 के बीच 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अचानक कार्डियक अरेस्ट से मौत के मामलों में 35त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में अकेले भारत में 32,457 युवाओं की मौत हृदयाघात से हुई। इनमें बड़ी संख्या 10 से 18 वर्ष के बीच के किशोरों की थी। सवाल यह है कि ऐसा हो क्यों रहा है? क्या यह सिर्फ अनुवांशिकता का मामला है? क्या बच्चों में जन्मजात हृदय रोग अचानक सक्रिय हो रहे हैं? या फिर इसके पीछे हमारी बदलती जीवनशैली, खान-पान, स्क्रीन टाइम, मोटापा, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता का कोई बड़ा योगदान है?

> जब भी हम हार्ट अटैक शब्द सुनते हैं, हमारे ज़ेहन में पचास-पैंसठ साल का कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति सामने आता है–भागदौड़ भरी ज़िंदगी में उलझा, तनाव और थकान से लदा हुआ। पर आज हकीकत इससे कहीं अधिक डरावनी और चौंकाने वाली है। आज दिल के दौरे सिर्फ बड़ों का ही नहीं, बल्कि मासूम बच्चों का भी पीछा कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां स्कूल जाते बच्चे अचानक गिर जाते हैं और डॉक्टर उसे "कार्डियक अरेस्ट" या "सडन हार्ट फेल्योर" बता देते हैं। क्या यह केवल संयोग है? या फिर हमारी जीवनशैली ने नन्हे दिलों पर हमला बोल दिया है?

विशेषज्ञ कहते हैं कि इसका कारण मल्टी फैक्टोरियल है–अर्थात यह कई कारकों का मिश्रण है। आज के बच्चे ब्रेड-बर्गर, पिज़्ज़ा, कोल्ड ड्रिंक और पैकेज्ड स्नैक्स पर निर्भर हैं। पौष्टिक आहार, जैसे हरी सब्जियाँ, दालें, फल, दूध अब उनके भोजन का हिस्सा नहीं रह गया है। पहले बच्चे गली-मोहल्ले में दौड़ते-खेलते थे। अब मोबाइल और गेमिंग कंसोल्स ने उनका बचपन छीन लिया है। खेल के मैदानों की जगह टैबलेट ने ले ली है। स्कूलों में अत्यधिक होमवर्क, कोचिंग की दौड़, माता-पिता की अपेक्षाएं और हर क्षेत्र में 'बेस्ट' बनने का दबाव बच्चों में मानसिक तनाव पैदा कर रहा है। यह तनाव शरीर में कोर्टिसोल और अन्य हॉर्मोन को असंतुलित कर देता है, जिससे हृदय पर असर पड़ता है।

देर रात तक मोबाइल चलाना, रील्स देखना और ऑनलाइन गेम खेलना बच्चों की नींद को प्रभावित करता है। नींद की कमी सीधे दिल की सेहत से जुड़ी है। बाल हृदय रोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों में हार्ट अटैक आमतौर पर कॉन्जेनिटल हार्ट डिजीज, कार्डियोमायोपैथी, इलेक्ट्रिकल डिसऑर्डर्स या मायोकार्डिटिस के कारण होता है। लेकिन इनका समय पर पता न चलने के कारण बच्चे अचानक मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे देश में बाल स्वास्थ्य की जांच प्रणाली बहुत कमजोर है। अधिकतर स्कूलों में नियमित हेल्थ चेकअप नहीं होते, और माता-पिता भी बच्चों के थकान या सांस फूलने जैसे लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं।

इस संकट से निपटने के लिए हमें एक बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। सरकार को सभी निजी और सरकारी स्कूलों में हर 6 महीने में हृदय जांच, ईसीजी और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य करना चाहिए। स्कूलों में फिट इंडिया जैसे अभियानों को गंभीरता से लागू किया जाए। बच्चों को योग, प्राणायाम, ध्यान और नियमित शारीरिक व्यायाम के लिए प्रेरित किया जाए। माता-पिता को अपने बच्चों के खान-पान, नींद और स्क्रीन टाइम पर सतर्क निगरानी रखनी होगी। बच्चे की थकान, चिड़चिड़ापन या किसी भी असामान्य शारीरिक लक्षण को गंभीरता से लें।

विद्यालयी पाठ्यक्रम में 'पोषण शिक्षा' को शामिल किया जाए ताकि बच्चे कम उम्र से ही हेल्दी फूड और शरीर के महत्व को समझ सकें। टेलीविजन और डिजिटल मीडिया को केवल उत्पाद बेचने के बजाय समाज को स्वस्थ जीवनशैली के लिए शिक्षित करने की भूमिका निभानी चाहिए। यह विडंबना ही है कि जब भारत ÷विकसित राष्ट्र÷ बनने की दौड़ में है, तब उसका भविष्य यानी बच्चे हृदय रोगों से जूझ रहे हैं। नीति आयोग, स्वास्थ्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय को मिलकर एक समन्वित नीति बनानी चाहिए, ताकि बच्चों की स्क्रीनिंग, हेल्थ एजुकेशन और इमरजेंसी सुविधाएं हर स्कूल में सुनिश्चित हो सकें। यह केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और मानव संसाधन विकास का मामला है। बचपन धड़कनों का त्योहार होता है, न कि जीवन का अंतिम पड़ाव। जब कोई बच्चा दिल के दौरे से दम तोड़ता है, तो केवल एक जीवन नहीं जाता–एक भविष्य, एक सपना और एक परिवार उजड़ जाता है। हमें यह स्वीकारना होगा कि बच्चों का दिल अब पहले जैसा मजबूत नहीं रहा–क्योंकि हमने उसे कमजोर बना दिया है। अब समय आ गया है कि हम सिर्फ हार्ट डे पर भाषण न दें, बल्कि हर दिन बच्चों के दिल की चिंता करें। नहीं तो वो दिन दूर नहीं जब स्कूल का बस्ता नहीं, स्ट्रेचर उठाना पड़ेगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8426

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब, स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी, कै-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना, लालसा-3
7. खुमार, सरुर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. ईमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8425 का हल

श	ब	■	ता	■	य	■	लॉ	क
रा	■	ला	ल	■	श	ह	■	हा
ब	से	रा	■	सा	■	क	स	र
■	ना	■	आ	स	रा	■	र	■
अ	ना	मि	का	■	श	रा	फ	त
■	य	■	र	ह	न	■	रो	■
म	क	र	■	र	■	प्रे	श	र
लि	■	ज	मा	■	आ	स	■	स
न	र	■	न	■	म	■	आ	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.42 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	07.58 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.10 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.35 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.51 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.15 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	मेष	23.46 बजे से
		वृष	01.26 बजे से
		मिथुन	03.24 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 194 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 06.53 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 18.01 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.28 बजे तदनन्तर विष्टि 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872404 **जूलियन दिन** 2460869.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 17 **विशेष** जयापार्वती व्रत समाप्त।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक	चर	08.41	से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक	रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक	काल	11.46	से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता नभा की हुई मृत्यु

भोपाल। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लायी गयी 8 वर्षीय मादा चीता नभा की मृत्यु हो गई। मादा चीता नभा शिकार के प्रयास के दौरान घायल हुई थी। उसे अन्य चोटों के साथ दोनो बायें, आगे एवं पिछले पैरों में फ्रेक्चर पाया गया। एक सप्ताह से उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान आज उसकी मृत्यु हो गई। पीएम रिपोर्ट आने के बाद वस्तु-स्थिति पता लगेगी। क्षेत्र संचालक चीता परियोजना ने बताया कि कूनो में अब 26 चीते हैं। इनमें 9 वयस्क (6 मादा, 3 नर) और 17 भारत में जन्में शावक हैं, सभी स्वस्थ हैं। इसके अलावा गाँधी सागर अभयारण में 2 नर चीते हैं। कूनो में 26 चीतों में से 16 चीते खुले जंगल में विचरण कर रहे हैं। ये कूनो नेशनल पार्क के वातावरण से पूर्णतः अनुकूलित हो गये हैं। हाल ही में सभी चीतों को एंटी एक्टो-परजीवी टीका सफलतापूर्वक लगाया गया है। मादा चीता वीरा और निर्वा अपने नन्हें शावकों के साथ स्वस्थ हैं।

मलबरी रेशम उत्पादन योजना में आवेदन आमंत्रित

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा रेशम संचालनालय की मलबरी रेशम योजना अंतर्गत किसानों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक किसान योजना अंतर्गत ई - रेशम पोर्टल https://eresham.mp.gov.in पर योजना के प्रावधानों का पठन कर आवेदन निर्धारित समयावधि में कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों पर विभागीय दिशा निर्देशानुसार चयन उपरांत किसानों को पृथकतः सूचित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए जिला रेशम कार्यालय में संपर्क करें।

मप्र की अदालतों में लगेगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर, विधि विभाग ने हाईकोर्ट को भेजा पत्र

भोपाल। मप्र की सभी अदालतों में अब भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाई जाएगी। विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने इस संबंध में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र भेजकर आग्रह किया है। यह मांग ओबीसी एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन ने उठाई थी, जिसके बाद एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कर्नाटक की तर्ज पर मध्य प्रदेश की अदालतों में भी डॉ. अंबेडकर की तस्वीर लगाने की मांग की थी। इस कदम को संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करने के रूप में देखा जा रहा है। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस मांग को लेकर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और रजिस्ट्रार जनरल को ज्ञापन भेजा था। एसोसिएशन के अध्यक्ष परमानंद साहू और वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि यह मांग समानता के आधार पर की गई थी।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024: मध्यप्रदेश के शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगा सम्मान

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा शनिवार वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इन सम्मानों में स्वच्छता लीग सम्मान, राष्ट्रपति सम्मान, देश और राज्यों की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिये 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक गरिमामय आयोजन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू करेंगी। हर वर्ष की तरह मध्यप्रदेश ने इस वर्ष भी अपनी विजय पताका फहराई है। प्रदेश के आठ शहरों को इस राष्ट्रीय आयोजन में सम्मानित किया जाएगा। इसमें सुपर लीग श्रेणी में इंदौर, उज्जैन और बुधनी हैं। इस श्रेणी में सिर्फ वे शहर शामिल किए जाते हैं, जिन्होंने पिछले तीन सालों में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो और उत्तरोत्तर प्रगति की संभावनाएं सृजित की हों। इसी प्रकार राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त करने वाले शहरों में भोपाल, देवास और शाहगंज शामिल हैं। इसके अलावा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी द्वारा प्रदेश के जबलपुर और ग्वालियर को उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिये सम्मानित किया जाएगा। कचरा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग और ओडीएफ/ वॉटर प्लस के परिणाम भी उसी दिन जारी किए जाएंगे। प्रदेश से इस आयोजन में विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के साथ विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधियों की बड़ी टीम इस आयोजन में शिरकत करेगी।

सुपोषित मध्यप्रदेश' की दिशा में मजबूत कदम: मंत्री भूरिया

नीति-सुधारों पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव

विजय मत, भोपाल

गुजरात के केवड़िया में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित जोनल सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुनिर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और ज़मीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री भूरिया ने कहा कि ÷मध्यप्रदेश, अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है।

महिला सुरक्षा और सहायता सेवाओं का विस्तार

हेल्पलाइन 181 और 1098 का ERSS-112 से तकनीकी एकीकरण जुलाई 2024 में सफलतापूर्वक किया गया।विगत छह महीनों में 86,000 से अधिक मामलों में 91 प्रतिशत से अधिक का समाधान हुआ है।

पोषण सुधार और तकनीकी नवाचार... *महिला बाल विकास मंत्री भूरिया ने बताया कि एम्स भोपाल के सहयोग से पोषण ट्रैकर डेटा की गुणवत्ता में सुधार किया गया है।कार्यकर्ताओं के लिए नेत्र परीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है जिससे स्मार्टफोन आधारित ऐप संचालन में उन्हें सुविधा मिले।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ जिले में "मोटी आई कार्यक्रम" और डिण्डौरी जिले में "रेवा प्रोजेक्ट" जैसे नवाचारों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन में अद्भुत परिणाम मिल रहे हैं।*

महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिये योजनाएं

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना" के अंतर्गत हर माह 1.27 करोड़ महिलाओं को 1250 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 38,000 करोड़ से अधिक राशि वितरित की जा चुकी है। अटल पेंशन योजना से जोड़ने के लिए राज्य स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

बाल संरक्षण की दिशा में ठोस कदम

मिशन वात्सल्य" के अंतर्गत चार बड़े जिलों में कंपोजिट शेल्टर होम का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना" के तहत गरीब परिवारों के बच्चों को 4000 प्रति माह की सहायता और आफ्टर केयर बच्चों को 5000 की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है।

डिजिटल पारदर्शिता और नियुक्ति प्रणाली में सुधार

मंत्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19,500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है। यह प्रक्रिया हर छह माह में रिक्तियों के अनुसार नियमित रूप से संचालित की जाएगी।

बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु प्रशिक्षण

सशक्त वाहिनी कार्यक्रम" के तहत अब तक 11,000 से अधिक बालिकाओं को नि:शुल्क शारीरिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया गया है। कई बालिकाएं आज पुलिस, चिकित्सा एवं अन्य सेवाओं में चयनित होकर सेवा दे रही हैं।

केंद्रीय योजनाओं को मजबूत बनाने के लिये सुझाव

मंत्री भूरिया ने केन्द्र सरकार के समक्ष योजनाओं को और प्रभावशाली बनाने के लिये सुझाव भी रखे। उन्होंने कहा की दरों को सीपीआई के अनुसार संशोधित करने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि, 2019-20 से लंबित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की बहाली, प्री-स्कूल शिक्षा सामग्री में वृद्धि और 'जादुई पिटारा' जैसी पहल, PMMVY योजना में द्वितीय गर्भावस्था पर भी मातृत्व सहायता, शक्ति सदन एवं सखी केंद्रों के कर्मचारियों के वेतन में संशोधन, स्पॉन्सरशिप योजना में बजट वृद्धि, आफ्टर केयर लाभार्थियों की सहायता राशि में बढ़ोतरी आदि प्रमुख मुद्दे शामिल थे।

मंत्री सारंग ने किया निर्माणाधीन गोविंदपुरा शासकीय सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

विजय मत, भोपाल

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत निर्माणाधीन गोविंदपुरा शासकीय सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर के प्रत्येक खंड का बारीकी से अवलोकन किया और निर्माण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से और निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और शासकीय सांदीपनि विद्यालय इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। मंत्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। शासकीय सांदीपनि विद्यालय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो न केवल सरकारी शिक्षा को मजबूती देगा, बल्कि निजी विद्यालयों की तुलना में कहीं अधिक सुव्यवस्थित और उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

गाइडलाइन के अनुरूप हो बैठक व्यवस्था

मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप सांदीपनि विद्यालयों को विकसित किया जा रहा है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार, समावेश और आधुनिकता सुनिश्चित हो सके। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय भवन में शाला कक्षों की बैठने की व्यवस्था का पुनः परीक्षण किया जाए और निर्माण कार्य पूरी तरह गाइडलाइन के अनुरूप हो।

सांदिपनी विद्यालय में विद्यार्थियों को मिलेगी बेहतर शिक्षा... *मंत्री सारंग ने कहा कि गोविंदपुरा शासकीय सांदीपनि विद्यालय को मॉडल स्कूल एवं स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की वरीयता के अनुरूप विकसित किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और समग्र विकास के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में आधुनिक क्लासरूम के साथ विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर जैसे विषयों की प्रयोगशालाएं भी स्थापित की जा रही हैं। इसके अलावा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए खेल मैदान, बास्केटबॉल कोर्ट, पुस्तकालय, डिजिटल शिक्षण कक्ष, और स्वच्छता की दृष्टि से पर्याप्त संख्या में शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।*

विकास सतत प्रक्रिया: सारंग

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि विकास सतत प्रक्रिया है, जो समय और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर चलती रहती है। यही कारण है कि नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड, कॉलोनी और मोहल्ले में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे यहाँ के नागरिकों को बेहतर जीवन, आधारभूत सुविधाएँ और स्वच्छ पर्यावरण मिल सके। मंत्री सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड-39 के ऐशबाग स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री सारंग ने कहा कि वर्ष 2008 के पहले नरेला विधानसभा में पक्की सड़कों का अभाव था, नालियां नहीं थीं और पीने के पानी के लिए नागरिकों को टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नरेला क्षेत्र की हर सड़क पक्की हो चुकी है। कॉलोनियों का समुचित ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया गया है और नालों का व्यवस्थित चैनलाइजेशन कर जल-भराव की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया गया है। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'विकास' ही हमारा ध्येय है। चाहे वह सड़क हो, सीवेज हो, जल-प्रबंधन हो या सामुदायिक सुविधाएँ, हर क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य किया जा रहा है।

मुलाकात

विजय मत, भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शनिवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से सौजन्य भेंट की।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए श्रम विभाग की पहल: मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाला का सम्पन्न

भोपाल। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने प्रभावी कदम उठा रही है। इस दिशा में परिवहन वाहनों जैसे बस, ट्रक, टैक्सी आदि का संचालन करने वाले ड्रायवरों तथा अन्य स्टाफ जैसे कंडक्टर और क्लीनर के कार्य के घंटे के संबंध में प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू किए जाने की पहल की जा रही है।इसी सिलसिले में मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाला शुक्रवार को श्रमायुक्त कार्यालय, इंदौर में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में श्रमायुक्त श्रीमती रजनी सिंह ने मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम, 1961 के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कार्यों में संलग्न ड्राइवरों और अन्य स्टाफ के कार्य के घंटों, विश्राम अवधि और अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के लिए प्रतिदिन 8 घंटे और साप्ताहिक 48 घंटे कार्य की अवधि निर्धारित है। इन प्रावधानों का गंभीरता से पालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रायवरों और स्टाफ के लगातार लंबी अवधि तक कार्य करने और विश्राम का समय न मिलने से थकान और तनाव की स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

सांसद-मंत्री के बयान पर पटवारी बोले सत्ता का मद प्रदर्शित, सिंघार ने कहा कितने ऐसे लोगों को उठवाएंगे

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश के सड़कों पर गड्ढों को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के बयान के बाद सीधी सांसद द्वारा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू को लेकर की गई टिप्पणी पर सियासत शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सरकार पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को मंत्रियों की जुबान पर लगाम लगाने की जरूरत है। वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि उनका मंत्री से सीधा सवाल है कि ऐसे कितने गांवों की महिलाओं को आप उठवाएंगे? क्या अब यही आपकी सरकार में विकास का नया मापदंड है?

पीसीसी चीफ पटवारी ने मंत्री राकेश सिंह और सांसद राजेश मिश्रा के बयान के बाद कहा कि सत्ता का मद क्या होता है, यह बीजेपी के नेता बार-बार प्रदर्शित कर रहे हैं। प्रदेश में सड़कें खस्ताहाल हैं। गांवों, शहरों की सड़कें करप्शन की भेंट चढ़ गई हैं। ब्रिज हो या नेशनल हाइवे हो या स्टेट हाइवे की सड़क हो, सबके हालात खस्ता हैं। ये करप्शन की भेंट चढ़ गई हैं। एक गर्भवती बहन ने आवाज दी कि जिम्मेदार लोगों सड़क बनाओ। इस पर जन भावना का सम्मान ऐसा कि सड़क बनाने के लिए कहा तो सांसद का बयान बहन को अपमान करने जैसा आ गया है। उनके द्वारा गर्भवती बहन की डिलीवरी की तारीख दी जा रही है कि आप तारीख दो, हम घर से हास्पिटल भेजेंगे पर सड़क नहीं बनाएंगे।

पटवारी ने कहा कि बीजेपी को जनता ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस जिम्मेदारी का मखौल उड़ाया जा रहा है। सभी मद में चूर हैं। जनभावना के खिलाफ एमपी की राजनीतिक और कानून व्यवस्था चिंताजनक है। पटवारी ने कहा कि सीएम साब, मंत्रियों की जबान पर लगाम लगाओ और दायित्व निभाओ, सड़कों के हालात बुरे हैं। एमपी में भ्रष्टाचार चीख-चीखकर कह रहा है कि 50 प्रतिशत कमीशन की सरकार है। बीजेपी की सरकार में डेटा पॉलिटिक्स की जा रही है।

रानी अबंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी की दोनों यूनिट से उत्पादन शुरू: तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की रानी अबंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी की 45-45 मेगावाट दोनों यूनिट से विद्युत उत्पादन पूर्ण क्षमता के साथ शुरु हो गया। दोनों यूनिट 9 जुलाई की शाम को क्रिसीपीआई याशील हो गईं। दोनों यूनिट को वार्षसीपीआई क रखरखाव (ओवरहॉलिंग) के लिए क्रमशः 20 जून एवं 1 जुलाई को विद्युत उत्पादन से पृथक कर दिया गया था। सामान्यतः एक यूनिट की ओवरहॉलिंग में 30 दिन का समय लगता है लेकिन बरगी की यूनिट नंबर 1 को 20 दिन और यूनिट नंबर 2 को सिर्फ 8 दिन में ओवरहॉलिंग करके विद्युत उत्पादन के लिए तैयार कर दिया गया। बरगी में किसी बाहरी एजेंसी की सहायता के बिना ओवरहॉलिंग का कार्य विद्युत गृह के अभियंताओं व तकनीकी कार्मिकों द्वारा करके दोनों यूनिट को निर्धारित समय से पूर्व क्रियाशील कर दिया गया।

उत्कृष्ट पुस्तक लेखन के लिए दिया जाएगा "श्रेष्ठ लेखक पुरस्कार"

भारतीय भाषा में अध्यापन के केंद्र बनेंगे विश्वविद्यालय: परमार

विजय मत, भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में शनिवार को, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय भोपाल के सभाकक्ष में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा शीर्ष समिति की बैठक हुई। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर, अध्यादेश 14(1) एवं अध्यादेश 14(2) के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश के 10 संभागों में समयपूर्वक कार्यशालाओं के आयोजन कर व्यापक रूप से विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों तक लागू अध्यादेशों से अवगत कराने के निर्देश दिए। परमार ने विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रमों के लिए कार्यशालाओं के आयोजन भी समयपूर्वक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परमार ने प्रदेश के समस्त भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारियों को लेकर भी कार्यशाला आयोजित करने को कहा।

विजय मत एंकर "एक बगिया मां के नाम" परियोजना अंतर्गत मनरेगा का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

परियोजना अधिकारी, ब्लॉक के एपीओ, एसआरएलएम के डीपीएम का हुआ प्रशिक्षण

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा ÷एक बगिया मां के नाम'' परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 313 जनपद पंचायत के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, 52 जिलों परियोजना अधिकारी मनरेगा एवं ग्रामीण आजीविका के डीपीएम शामिल हुए।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार, विकास भवन अरेरा हिल्स, भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयुक्त मनरेगा-संचालक वाटर शेड मिशन अवि प्रसाद एवं आयुक्त एसआरएलएम श्रीमती हर्षिका सिंह ने अधिकारियों को ÷एक बगिया मां के नाम'' परियोजना के बारे में जानकारी दी और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी एवं डीपीएम एसआरएलएम को संयुक्त रूप से पारदर्शिता के साथ एक बगिया मां के नाम परियोजना के लिए हितग्राहियों का चयन, परियोजना के उद्देश्य और लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया और उनके सुझाव भी प्राप्त किए गए।

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मनरेगा परिषद द्वारा तैयार कराए गए एक बगिया मां के नाम'' प्रोग्राम बैनर का मनरेगा आयुक्त अवि प्रसाद एवं आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह ने विमोचन किया। एक बगिया मां के नाम परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर अब तक 2100 से अधिक इंजीनियर एवं 600 से अधिक कृषि सखी को तकनीकी रूप से प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री और उपयंत्री (आरईएस एवं मनरेगा), डीपीएम एसआरएलएम शामिल है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा परियोजना अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) एवं डीपीएम एसआरएल को व्यक्तिगत / फलोद्यान के लिये तैयारी, भूमि चयन, पौधों की प्रजाति चयन, देखभाल, सुरक्षा एवं शतप्रतिशत उत्तरजीविता सुनिश्चित करते हुए वैज्ञानिक तकनीकियों का उपयोग पर पौधरोपण की बारीकियों पर प्रशिक्षण दिया गया। पौधरोपण के कार्य में अत्याधुनिक तकनीक (सिपरी सॉफ्टवेयर) का उपयोग किया जाएगा।

शून्य आधार बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट की दिशा में प्रदेश सरकार का बड़ा कदम

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित बजट अनुमान और वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इसके लिये वित्त विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। इस बार भी राज्य सरकार द्वारा शून्य आधार बजटिंग (Zero Base Budgeting) की प्रक्रिया को जारी रखते हुए वित्तीय अनुशासन और परिणाम आधारित बजट निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही सरकार ने पहली बार वर्ष 2027-28 एवं वर्ष 2028-29 के लिए त्रिवर्षीय रोलिंग बजट तैयार करने का निर्णय लिया गया है।

डेंगू और मलेरिया नियंत्रण पर जोर जनभागीदारी से मिलेगी सफलता

विजय मत, भोपाल

मौसम बदल गया है, रुक - रुक कर बारिश हो रही है, ऐसे में वाहक जनित बीमारियों से बचाव जरूरी है, डेंगू एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए जन समुदाय को आगे आना बहुत जरूरी है, चूंकि यह काम जनभागीदारी से निश्चित रूप से सफल होगा, अभी बार बार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है, कभी गर्मी तो कभी सर्दी का एहसास है ऐसे में ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता है क्युकी ऐसे मौसम में लार्वा पनपने की संभावना अधिक होती है, अतः लोगों को मच्छर से बचाव रखने की आवश्यकता है।

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनीष शर्मा के निर्देशन में एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के मार्गदर्शन में जिला मलेरिया कार्यालय एवं गोदरेज के सहयोग से संचालित मलेरिया विभाग, एंबेड परियोजना एवं जिला स्वास्थ्य समिति व्हीबीडी भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से गतिविधियां अनवरत जारी है।इसी क्रम में रहवासियों को पोस्टर बैनर के माध्यम से डेंगू और मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया है, जागरूकता के साथ ही घर-घर भ्रमण एवं बैठक के माध्यम से लोगों को डेंगू एवं मलेरिया के प्रति जागृत किया जा रहा है, ताकि समुदाय के लोग अपने- अपने घरों की स्वयं निगरानी करें, एक हफ्ते से ज्यादा पानी जमा ना होने दें, इसके साथ ही पानी की टंकी एवं फ्रिज की ट्रे को समय-समय पर जांच करते रहें, हर हफ्ते में एक बार पानी अवश्य बदले और घर में किसी को बुखार आने की स्थिति में पर में तुरंत ही सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सालय या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर खून की जांच कराएं, समुदाय स्तर पर लोगो को मलेरिया के बारे में समझाया साथ कैसे बचाव करे के बारे में बताया।

सुंदर, चमकीली और स्वस्थ त्वचा हर किसी का मन मोह लेती है। हर औरत की यही तमन्ना होती है कि वह हमेशा जवान और खूबसूरत बनी रहे, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही त्वचा पर असर दिखाई देने लगता है। उम्र के इस परिवर्तन को रोका तो नहीं जा सकता, लेकिन कुछ हद तक इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं।

बढ़ती उम्र घटता सौंदर्य

चेहरे से किसी भी व्यक्ति की उम्र का अंदाजा लगाया जा सकता है। युवावस्था में चेहरे की त्वचा खिंची हुई रहती है। कहीं कोई झुर्री या त्वचा का ढलकाव नहीं होता है। फिर धीरे-धीरे त्वचा पर आयु का प्रकोप होता है और यौवन की त्वचा वृद्धावस्था की त्वचा में परिवर्तित हो जाती है। आइए आपको कुछ गुर बताते हैं, ताकि आप अपने यौवन को कायम रख सकें।

» अपने शरीर के वजन पर ध्यान दें। वजन अधिक होने पर वृद्धावस्था के लक्षण जल्दी आने लगते हैं।
» भोजन में वसा की मात्रा कम रखें। शरीर में जमी आवश्यक चरबी वृद्धावस्था को आमंत्रित करती है।
» जल, विटामिन तथा खनिज पदार्थ प्रचुर मात्रा में लें।
» आवश्यकतानुसार व्यायाम करें।
» अत्यधिक धूप से त्वचा को बचाएं। अगर धूप में जाना ही पड़े तो छाते का प्रयोग करें।
» यदि चेहरे पर वृद्धावस्था के लक्षण उभर रहे हों तो फेस मास्क, कीमोएबरेजन, फेस लिफ्ट आदि का भी प्रयोग कर सकती हैं।

फेस मास्क

फेस मास्क चेहरे की झुर्रियों को मिटाने का बिलकुल सादा तरीका है। इसके लिए कई प्रकार के फेस मास्क प्रयोग में लाए जाते हैं। सामान्यतः प्रयोग होने वाले मास्क में मुलतानी मिट्टी का इस्तेमाल किया जाता है।

कीमोएबरेजन

इस थेरेपी में व्यक्ति का चेहरा स्पिरिट से साफ करके उस पर फिनेल तथा अन्य रासायनिक पदार्थ त्वचा के नीचे पहुंच कर झुर्रियों को कम करने में सहायक होते हैं। रासायनिक पदार्थों के कारण त्वचा की संरचना में मूलभूत परिवर्तन होता है, जो कि सादे मास्क में नहीं हो सकता। यही कारण है कि कीमोएबरेजन का प्रभाव एक-दो वर्ष तक रहता है।

फेस लिफ्ट

फेस लिफ्ट कास्मेटिक सर्जरी का आपरेशन है। इसके द्वारा कॉस्मेटिक सर्जरी करके ढीली त्वचा को खींच दिया जाता है। त्वचा को खींचने पर झुर्रियां अपने आप खत्म हो जाती हैं तथा त्वचा में युवावस्था जैसा खिंचाव पैदा हो जाता है। व्यक्ति कितना भी वृद्ध क्यों न हो, फेस लिफ्ट करके उसकी त्वचा में युवावस्था की त्वचा जैसा निखार पैदा किया जा सकता है। एक बार फेस लिफ्ट कराने का असर लगभग दस वर्षों तक रहता है। तत्पश्चात दोबारा फेस लिफ्ट कराने की आवश्यकता पड़ती है। फेस लिफ्ट के आपरेशन के साथ वृद्धावस्था के अन्य लक्षण मिटाने के भी आपरेशन किए जाते हैं जैसे-

» लटकी भौहों को ऊपर उठा दिया जाता है, जैसे कि युवावस्था में होता है।
» लटकी पलकों को तथा पलकों के नीचे होने वाली सूजन को हटा दिया जाता है।

कहते हैं पति-पत्नी का रिश्ता, तब और मजबूत होता है, जब उन दोनों में कोई बात छिपी न रहे। लेकिन चौंकाने वाली बात तो यह है कि महिलाएं अक्सर कुछ बातें पुरुषों से छिपा

महिलाएं छिपा लेती हैं कई बातें

बहुत से ऐसे पुरुष हैं, जो कि वास्तव में यह जानना चाहते हैं कि वो ऐसा क्या करें कि वो अपनी प्रेमिका का दिल जीत सकें। महिलाओं के लिए यह गर्व का विषय होता है। जबकि दूसरी ओर बहुत सी महिलाएं चाहती हैं कि बिना बताए ही पुरुष उनकी बातों को समझ जाएं।

बातूनी महिलाओं : पुरुष बातें करना कम पसंद करते हैं और वो इस बात से भी इनकार नहीं कर सकते कि महिलाएं उन्हें कहीं ज्यादा समझती हैं। महिलाएं अकसर बातें करना पसंद करती हैं, वो बहुत सी बातें एक दूसरे से बांटती हैं और उनके लिए एक दूसरे से जुड़ने का यह एक अच्छा माध्यम होता है।

मां से तुलना पसंद नहीं : इस बात को गलत ना समझें, लेकिन यह सच है सभी महिलाएं अपनी मां से बहुत प्यार करती हैं, लेकिन वो यह सुनना पसंद नहीं करतीं कि वो अपनी मां जैसा खाना बनाती हैं या ऐसी तारीफ। मां पूरी दुनिया में सबसे अच्छी होती है। वो अच्छा खाना बनाना जानती है और बच्चों को खुश रखना भी जानती है। लेकिन फिर भी महिलाएं अपनी मां जैसा बनना नहीं चाहतीं। तो उन्हें यह बात सबसे बुरी लग सकती है कि वो अपनी मां के जैसी हैं।

शिकायत से परहेज : महिलाएं यह जानती हैं कि चीजों को कैसे व्यवस्थित करना है। स्क्रू ड्राइवर से ड्रिल तक उन्हें पता होता है कि आपके टूल बाक्स में मौजूद चीजों का इस्तेमाल कैसे करना है। बहुत सी अकेले रहने वाली महिलाओं को पता होता है कि उन्हें चीजों को कैसे व्यवस्थित करना है। आप इस बात के लिए उनसे शिकायत नहीं कर सकते, क्योंकि इसके बहुत से कारण हो सकते हैं। आप ऐसा नहीं कह सकते कि आप यह काम नहीं कर सकते, क्योंकि उनके पास किसी भी काम को आपसे कराने के बहुत से बहाने होते हैं।

बढ़ा-चढ़ाकर कहने की आदत : अवश्य ही वो मूर्ख थे और इसी कारण आपने उन्हें छोड़ दिया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वो आपसे कम प्यार करती हैं। आप शायद हजारों या लाखों में से एक होंगे और इसी कारण आप सबसे अच्छे हैं। हमें बात को थोड़ा बढ़ा-चढ़ा कर कहने की आदत होती है।

प्रतिबद्धता से डर : सिर्फ इसलिए कि एक लड़की 5 साल की उम्र से ही शादी के सपने देखती है इसका अर्थ यह बिलकुल नहीं है कि उसके जीवन में जो भी पहला लड़का आयेगा, वो उसे स्वीकार कर लेगी। हम भी अपनी आजादी चाहते हैं। कड़ी प्रतिबद्धता से सभी को डर लगता है और प्रतिबद्धता को लेकर हम बहुत ही सावधान रहते हैं।

शरारती बच्चों को ऐसे समझाएं

बच्चे नासमझ व अंजान होते हैं। समय के साथ-साथ उनकी समझ बढ़ती है। बच्चों का नटखट होना भी स्वाभाविक है और कई बार बच्चे ऐसी नासमझी व शरारत करते हैं, जिससे बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी परेशानी का कारण बनते हैं।

अगर घर में छोटा बच्चा हो तो ऐसे में बड़ों को कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए, जिससे बच्चा सुरक्षित रह सके-

» कोई भी धारदार वस्तु जैसे ब्लेड, कैंची, रेजर, चाकू आदि बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
» वलनशील पदार्थ पेट्रोल, डीजल, केरोसीन, तेजाब आदि स्टोर रूम में ही रखें।
» माचिस, लाइटर आदि सुरक्षित स्थान पर ही रखें।
» दवाइयां, शराब, दर्द निवारक गोलियां, बाम, सेंट मि आदि बंद अलमारी में ही रखें।
» शू पोलिश, ब्रश, टूथपेस्ट, शेविंग मि, अफटर शेव लोशन, आदि इस्तेमाल के उपरान्त अलमारी में ही रखें।
» बाथरूम का दरवाजा कभी भी खुला न छोड़ें। इससे बच्चा अपने कपड़े गीले कर सकता है। भूल से भी आधी भरी पानी की बाल्टी या टब बाथरूम में न छोड़ें।
» सुई, बटन, आलपिन, हेयरपिन, सिलाई आदि की वस्तुएं ढक्कनदार डिब्बे में ही रखें।
» साइकिल, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि वाहन साइड स्टैन्ड लगाकर खड़ा न करें, इससे दुर्घटना हो सकती है।
» बिजली के बटन, प्लग आदि अगर नीचे लगे हो तो उन्हें टेप से ढंक दें।
» बच्चे के गले में कभी भी धागा, ताबीज आदि कस कर न बांधें। अगर धागा बांधना ही हो तो ढीला बांधे।
» टीवी, फ्रिज-कूलर, प्रेस, गैस, चूल्हे, स्टोव आदि से बच्चों को दूर ही रखें।
» गैस सिलेण्डर से हमेशा बच्चों को दूर रखें। कभी छेड़छाड़ करने या खेलने न दें।
» कमरे में कहीं पर भी कम ऊंचाई पर कील लगी हो तो उसे तुरन्त निकाल दें।
» साबुन, शैम्पू आदि कभी खुला न छोड़ें।

डेटिंग का चक्कर

पहली मुलाकात और फिर डेट्स की शुरुआत से एक अच्छे रिश्ते की जड़ मिलती है। डेट्स तो आमतौर पर प्रेमी जोड़े के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन सच तो यह है कि यह हर रिश्ते के लिए जरूरी होता है। चाहे वह पति-पत्नी का रिश्ता हो, माता-पिता के साथ या फिर भाई-बहन के साथ। लेकिन सबके अपने मायने अलग होते हैं।

कभी सोचा कि डेटिंग जरूरी क्यों होती है। वह इसलिए कि इससे आपको वचनबद्धता के सम्बन्ध में बंधने से पहले अपने भावी साथी को बेहतर जानने में मदद मिलती है। ज्यादा डेट्स व्यक्ति के संयम की परीक्षा ले सकती है और तब आपके सामने आता है आपके साथी का असली रूप, जिसे देखकर आपको यह तय करने में मदद मिलती है कि इसके साथ लम्बे समय का सम्बन्ध बनाया जाए या नहीं?

- लोग अपनी पहली डेट में सबसे अच्छा व्यवहार करते हैं और बाद की डेट्स यह जानने के लिए महत्वपूर्ण होती हैं कि व्यक्ति की असलियत कैसी है?
- डेटिंग आपको अपने साथी को बेहतर समझने में और यह जानने में मदद कर सकती है कि क्या वह आपके लिए बिलकुल उपयुक्त है या नहीं ?
- बिना पहले से जाने-समझे सीधे किसी से लम्बी अवधि का सम्बन्ध कायम कर लेना मूर्खतापूर्ण कदम है, क्योंकि इससे बाद में दिल भी टूटते हैं और जब असलियत सामने आती है, तब दूसरी परेशानियां भी खड़ी होती हैं ।
- डेटिंग मजबूत सम्बन्ध बनाने में मदद करती है।

डेटिंग की मदद से आप अपने साथी को समझ सकते हैं।

सिनर और अल्कारेज के बीच होगा विम्बलडन 2025 का फाइनल

जोकोविच हारे फाइनल जीतने का सपना टूटा, सेमीफाइन में टेलर भी हारे

लंदन, एजेंसी

विम्बलडन 2025 का फाइनल कौन-कौन के बीच होगा। इसका फैसला हो गया है। सेमीफाइनल में इतालवी खिलाड़ी जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हरा कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर रही है। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिकी टेलर फ्रट्ज़ को स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने हरा दिया है।

अब विम्बलडन 2025 का पुरुष वर्ग का फाइनल डिफेंडिग चैम्पियन कार्लोस अल्कारेज और नंबर 1 खिलाड़ी जैनि सिनर के बीच खेला जाएगा। सिनर पहली बार विम्बलडन के फाइनल में पहुंचे हैं। जहां वह कल यानी रविवार को होने वाले पुरुष सिंगल्स फाइनल में कार्लोस अल्कारेज के सामने होंगे।

23 साल के सिनर ने 38 साल के नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार विम्बलडन फाइनल में जगह बनाई। दोनों के बीच यह मुकाबला महज 1 घंटे 55 मिनट तक खेला जाएगा। सिनर ने मैच में 36 शानदार शॉट लगाए, 12 ऐस मारे और

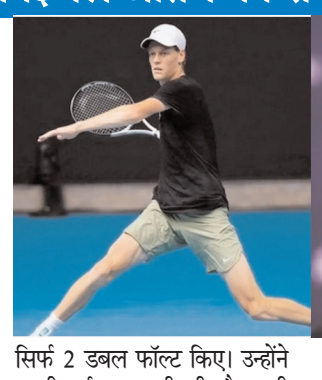

सिर्फ 2 डबल फॉल्ट किए। उन्होंने पहली सर्व पर 81 फीसदी और दूसरी

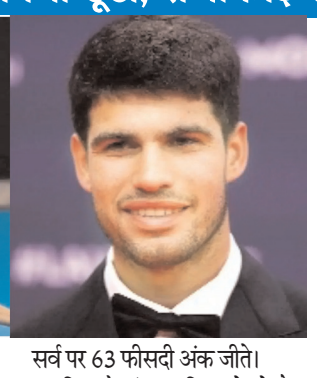

सर्व पर 63 फीसदी अंक जीते। विश्व के नंबर 1 सिनर ने पूरे मैच पर अपना कंट्रोल बनाए रखा और जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई। वहीं विम्बलडन से पहले तक जैनिक सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच आमने-सामने का रिकॉर्ड 5-3 का था, जिसमें सिनर ने अपने सबसे हालिया मुकाबले में जीत हासिल की थी। वहीं सिनर 2018 के बाद से विम्बलडन में नोवाक जोकोविच को हराने वाले कार्लोस अल्कारेज के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। वैसे जोकोविच ने 7 बार विम्बलडन खिताब जीता है। पहली बार उन्होंने 2011 में ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था, वहीं 2022 में उन्होंने आखिरी बार इस ट्रॉफी को जीता था। सेमीफाइनल में जीत के बाद जैनिक सिनर ने कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा, यह वही टूर्नामेंट है जिसे वह बचपन में टीवी पर देखा करते थे, कभी सोचा भी नहीं था कि वह फाइनल खेलेंगे। यह एक शानदार अनुभव था, उनहोंने कहा कि मैं जानता हूं कि मैं और मेरी टीम कितनी मेहनत कर रहे हैं, आज मेरे पापा और भाई भी आए हैं, इसलिए यह पल और भी खास हो गया।

केएल राहुल सुनील गावस्कर के साथ खास सूची में शामिल

- तोड़ा सहवाग और सईद अनवर का रिकॉर्ड,

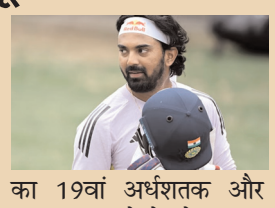

नई दिल्ली, एजेंसी

लॉर्ड्स टेस्ट में भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने शानदार अर्धशतक जमाकर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में उनकी इस फिफ्टी ने उन्हें पाकिस्तान के दिग्गज सईद अनवर और भारत के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग से आगे पहुंचा दिया। राहुल अब उन चुनिंदा एशियाई ओपनर्स की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने एसइएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में 10 से अधिक बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

यह राहुल के टेस्ट करियर का 19वां अर्धशतक और एसइएनए देशों में 11वां अर्द्धशतक हैं। इस खास सूची में सबसे ऊपर भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का नाम है जिनके नाम 19 बार 50 प्लस स्कोर दर्ज हैं। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणरत्ने 12 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि अब राहुल 11 स्कोर के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने सईद अनवर, वीरेंद्र सहवाग और बांग्लादेश के तमीम इकबाल को पीछे छोड़ दिया जिनके नाम एसइएनए देशों में 10-10 बार 50 से अधिक का स्कोर है।

ऑलराउंडर नीतीश को लगातार अवसर देने होंगे: कुंबले

लंदन, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और उसे टीम में बनाये रखा जाना चाहिये। कुंबले के अनुसार नीतीश अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हैं इसलिए टीम प्रबंधन को उनपर अपना भरोसा बनाये रखा होगा। इससे ये युवा खिलाड़ी लगातार बेहतर होता जाएगा। साथ ही कहा कि उसे टेस्ट टीम में नियमित रूप से रखा जाना चाहिये। इसका कारण है कि वह एक अनुशासित खिलाड़ी होने के साथ ही प्रतिभाशाली भी है। इंग्लैंड के इस दौरे में अपना दूसरा ही मैच खेल रहे रेड्डी तीसरे टेस्ट के पहले दिन दो विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज रहे हैं।

कुंबले ने कहा, 'मैं यह देखकर हैरान था कि नीतीश ने कितनी अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार सही क्षेत्रों में गेंद डाली। वह भाग्यशाली थे जो उन्हें लेग साइड में डाली गई शॉर्ट पिच गेंद पर विकेट मिला पर इसके अलावा उन्होंने पूरे दिन अनुशासित गेंदबाजी की। नीतीश ने इससे पहले आस्ट्रेलिया में बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हुए शतक लगाया था।

आस्ट्रेलिया के लिए 100 टेस्ट खेलना गर्व की बात : स्टार्क

400 टेस्ट विकेट से पांच कदम दूर

किंग्स्टन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में अपने करियर का 100वां टेस्ट खेलेंगे। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले ऑस्ट्रेलिया के केवल 12वें फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज बन जाएंगे। साथ ही, स्टार्क 400 टेस्ट विकेट पूरे करने से भी महज पांच विकेट दूर हैं। 14 साल के लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में इस मुकाम तक पहुंचने को उन्होंने अपने लिए गर्व की बात बताया। स्टार्क ने कहा कि बचपन में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना उनका सपना था, लेकिन कभी यह उम्मीद नहीं की थी कि वह एक भी टेस्ट खेल पाएंगे। 99 टेस्ट पूरे करना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने विकास में जोश हेजलवुड और पैट कमिंस की दोस्ती और साझेदारी को अहम बताया। स्टार्क ने कहा कि दोनों ने उन्हें वोबल सीम गेंदबाजी समेत कई तकनीकी पहलुओं में मदद की और उनके करियर को संवारने में बड़ा योगदान दिया।

तीनों तेज गेंदबाजों ने अब तक 37 टेस्ट

एक साथ खेले हैं। स्टार्क ने इसे खास बताते हुए कहा कि तीनों एक ही जगह से आते हैं, साथ ट्रेनिंग करते हैं, रिहैब में साथ वक्त बिताते हैं और एक-दूसरे को मुश्किल दौर में भी प्रेरित करते हैं। स्टार्क ने कहा, हम सभी जानते हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं। यही वजह है कि हम इतने लंबे वक्त तक टॉप स्तर पर टिके रह सके हैं। स्टार्क ने अपनी फिटनेस के बारे में भी खुलकर बात की। 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उंगली में चोट के बावजूद उन्होंने एमसीजी टेस्ट में गेंदबाजी की थी। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज होने के नुकसान भी हैं शरीर पर निशान, दर्द, झटके वह तभी मैदान में उतरते हैं जब उन्हें भरोसा होता है कि वह अपना 100 फीसदी दे सकते हैं।

आईपीएल को लेकर भी उन्होंने साफ कहा कि वर्षों तक फ्रेंचाइजी क्रिकेट छोड़ने का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने के फैसले पर स्टार्क ने कहा, टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है और मुझे लगता था कि मैं इसके लायक हूं। मैंने आईपीएल छोड़ा ताकि ऑस्ट्रेलिया के लिए 99 टेस्ट खेल सकूं, परिवार के साथ वक्त बिता सकूं और अपने शरीर को तैयार रख सकूं। मैं पीछे मुड़कर कुछ नहीं बदलना चाहूंगा।

भविष्य को लेकर स्टार्क बहुत आगे नहीं देखना चाहते लेकिन उन्होंने माना कि आने वाली गर्मियां (जिसमें एशेज भी शामिल है) उनके लिए बड़ी चुनौती होंगी। साथ ही वह टी20 वर्ल्ड कप और 2027 के संभावित वनडे वर्ल्ड कप में भी खेलना चाहते हैं। स्टार्क ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा टेस्ट क्रिकेट ही रहेगा और आने वाले समय में फिट और असरदार बने रहना उनका मुख्य लक्ष्य होगा।

यूईएफए महिला यूरो 2025

बर्न, स्विट्ज़रलैंड में शुक्रवार को यूईएफए महिला यूरो 2025 - ग्रुप बी - इटली बनाम स्पेन - स्टेडियन वैंकडॉर्फ, फुटबॉल मैच में स्पेन की क्लाउडिया पिना इटली की जूली पिगा के साथ एक्शन में।

बाबर आजम की विकेटकीपर के तौर पर वापसी की बातें गलत: हेसन

लाहौर। पाकिस्तान के नए सीमित ओवरों के कोच माइक हेसन ने उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा जा रहा है कि अनुभवी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान बाबर आजम को विकेट कीपर के तौर पर टीम में शामिल किया जाएगा। हेसन ने कहा कि अभी से बाहर चल रहे बाबर के अलावा तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी भी अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए उनकी दीर्घकालिक योजनाओं में शामिल हैं। दोनों इस समय कराची में साथी खिलाड़ियों के साथ एक प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं। ये साथी खिलाड़ी इस महीने के अंत में मीरपुर में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश जाएंगे। हेसन ने साफ किया है कि कि बाबर की टीम में वापसी विकेटकीपर के रूप में पहली पसंद बनकर नहीं हुई, बल्कि पूर्व कप्तान अपने साथी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों फखर जमान और सैम अयूब के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो में से एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

बिजनेस

आरबीआई ने जारी किए आंकड़े, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर

भारत का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के नए साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर हो गया है। सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास विशेष आहरण अधिकार भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा आंकड़ों के मुताबिक आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के आखिर में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के

सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई और चांदी ने 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया गया। चांदी ने 18 जून को दर्ज 1,09,550 रुपए के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर को तोड़ दिया। वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 फीसदी बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 फीसदी बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

- देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में मिला-जुला असर

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 69.13 डॉलर प्रति बैरल और डब्यूटीआई क्रूड 67.13 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस उछाल का असर घरेलू ईंधन बाजार पर भी पड़ा है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 8 जुलाई को पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी किए हैं, जिनमें राज्यों के हिसाब से भिन्नता देखने को मिली है। उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के भावों में बदलाव हुआ है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है, वहीं डीजल 9 पैसे की बढ़त के साथ 87.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसके विपरीत गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे सस्ता होकर 94.44 रुपये और डीजल 1.09 रुपये घटकर 87.51 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में राहत की खबर है। यहां पेट्रोल की कीमत 18 पैसे घटकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 17 पैसे की गिरावट के साथ 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें अगले कुछ दिनों में और बदल सकती हैं, जिसका सीधा असर भारत में ईंधन दरों पर पड़ेगा।

भारत अन्य देशों की तुलना में ज्यादा तेजी से कर रहा भुगतान: आईएमएफ

- यूपीआई प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि भारत दुनिया में अन्य देशों की तुलना में ज्यादा तेजी से भुगतान कर रहा है। इसकी वजह देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का बड़े स्तर पर इस्तेमाल हो रहा है। इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्य शीर्षक वाले नोट के मुताबिक 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से देश में यूपीआई तेजी से बढ़ा है, जबकि नकदी के इस्तेमाल में गिरावट आना शुरु हो गई है। यूपीआई अब प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है और भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है।

नोट में कहा गया कि यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। इस प्लेटफॉर्म से मिले सबूत बताते हैं कि इंटरऑपरेबिलिटी यूजर्स के डिजिटल भुगतान के अनुभव को बेहतर बना सकती है और इससे नई टेक्नोलॉजी को अपनाने की दर में भी इजाफा हो सकता है। आईएमएफ ने नोट में कहा कि इंटरऑपरेबिलिटी सीधे तौर पर यूजर्स को अपना पसंदीदा ऐप चुनने की आजादी देती है, जिससे वे उपलब्ध ऐप्स की विविधता और गुणवत्ता का पूरा लाभ उठाते हैं।

इंटरऑपरेबिलिटी नए प्रोवाइडर्स के प्रवेश को भी सुगम बना सकती है और मौजूदा प्रदाताओं को अपने ऐप्स अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे यूजर्स को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। यूपीआई को बढ़ावा देने एनपीसीआई ने 2016 के आखिर में भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) ऐप लॉन्च किया था।

जून में यूपीआई लेनदेन की मात्रा सालाना आधार पर 32 फीयदी बढ़ी। पिछले साल जून की तुलना में लेनदेन मूल्य में 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दैनिक यूपीआई लेनदेन की संख्या मई के 602 मिलियन से बढ़कर जून में 613 मिलियन हो गई है।

अनिश्चितता के कारण शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही

- सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट का दौर जारी रहा। इस सप्ताह निवेशकों के मन में अमेरिका की टैरिफ योजना को लेकर बनी अनिश्चितता, अर्निंग सीजन की निराशाजनक शुरुआत और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी। इन कारणों से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। साप्ताहिक कारोबार के दौरान सोमवार को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,262 के स्तर पर खुला, हालांकि कारोबार के अंत तक इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 83,442 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 53 अंक गिरकर 25,407 पर खुला और बाद में थोड़ा ऊपर 25,461 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी दोनों सूचकांक गिरावट में खुले लेकिन दिन के अंत में सेंसेक्स

270 अंक की बढ़त के साथ 83,712 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 61 अंक की बढ़त लेकर 25,522 पर पहुंचा। बुधवार को वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख और टैरिफ अनिश्चितता के कारण बाजार में सतर्कता रही। सेंसेक्स शुरुआत में बढ़त के बावजूद अंत में 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 46 अंक नीचे 25,476 पर बंद हुआ। गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ शुरुआत हुई और सेंसेक्स 345 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 83,190 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंक नीचे 25,355 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में भारी दबाव रहा। सेंसेक्स 689 अंक गिरकर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ, जो 0.83 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। निफ्टी भी 205 अंक की गिरावट के साथ 25,149 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में निवेशकों की बेचैनी और सतर्कता देखने को मिली, जिसका कारण वैश्विक व्यापार अस्थिरता और घरेलू आर्थिक संकेतकों की कमजोर स्थिति रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहना और आर्थिक नीतियों पर नजर बनाए रखना जरूरी है।

सोने की कीमतों में तेजी के संकेत

- फेड रेट कट और डॉलर इंडेक्स होंगे अहम कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतें फिलहाल कंसोलिडेशन फेज में हैं, जो आमतौर पर आगे कीमतों में तेजी की संभावनाओं का संकेत होता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने में तेज़ी की शुरुआत संभावित है, बशर्ते कुछ अहम वैश्विक घटनाएं इसके पक्ष में रहें। रिपोर्ट के अनुसार आगामी समय में सोने की दिशा दो प्रमुख फैक्टर्स तय करेंगे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति और डॉलर इंडेक्स का मूवमेंट। फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ रही है, खासकर जब अमेरिका में महंगाई और मंदी को लेकर चिंता बनी हुई है। ट्रंप प्रशासन ने फेड से 300 बेसिस प्वाइंट की कटौती की मांग की है, जिससे उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक नरम रुख अपनाएगा। दूसरी ओर, डॉलर इंडेक्स इस समय 97.00 पर है और इसमें पिछले छह महीनों में लगभग 10 फीसदी की गिरावट देखी गई है। अगर इसमें और कमजोरी आती है तो सोने को मजबूत सहारा मिल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोने को तकनीकी समर्थन 3,297 और 3,248 डॉलर प्रति औंस पर मिल सकता है, जबकि फिलहाल यह 3,330 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। बढ़ते ट्रेड टेंशन और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के चलते निवेशक सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख कर रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

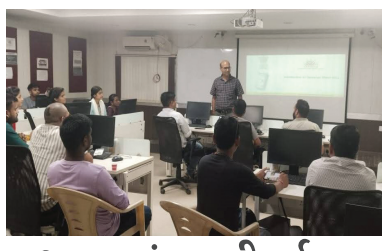

आधार नामांकन की नई प्रक्रिया का दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल। जिले के समस्त आधार सुपरवाईजर, ऑपरेटर को ई-दक्ष केन्द्र शहडोल के प्रशिक्षक हरिकृष्ण सोनी द्वारा आधार नामांकन के नवीन साफ्टवेयर यूनिवर्सल क्लाइंट का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में आपरेटरों को नवीन एप्लीकेशन पर एनरोलमेंट की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। जिसमें कैसे ऑपरेटर लेवल से होने वाली गलतियों को ऑनलाइन माध्यम से दूर किया जा सकता है। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि कैसे एनआरआई और विदेशी भी सीमित अवधि के आधार एनरोलमेंट करा सकते हैं। यूआईडीएआई ने आधार नामांकन और अद्यतन कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नामांकन कर्मियां, ऑपरेटरों और पर्यवेक्षकों सहित उपयोगी टूल्स से अवगत कराया गया। पूर्व में प्रचलित ईसीएमपी एप्लीकेशन के स्थान पर यूनिवर्सल क्लाइंट एप्लिकेशन के द्वारा आधार कार्य को सरल बनाया गया है। आधार कार्य में लगे समस्त कर्मियों को उनकी समस्याओं प्रश्नावली का निराकरण किया गया।

सदस्य,बाल संरक्षण आयोग ने किया पौधरोपण

शहडोल। सदस्य, मध्य प्रदेश बाल संरक्षण आयोग श्रीमती मेघा पवार ने प्रकृति की गोद भरने के लिए ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय विचारपुर परिसर में ५एक पेड़ मॉ के नाम५ अभियान के तहत पौधरोपण किया।

कलेक्टर ने स्वीकृत की आर्थिक सहायता राशि

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से ग्राम लालपुर बुढार वार्ड नम्बर 3 निवासी श्री कैलाश प्रसाद गुप्ता को उपचार हेतु 1 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजरों की भर्ती हेतु विकासखंड स्तरीय लगाए जाएंगे शिविर

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह ने जानकारी दी है कि एस. आई. एस.कंपनी सिंगरौली द्वारा सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजरों की भर्ती हेतु विकासखंड स्तरीय शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शहडोल जिले के विकासखंड ब्यौहारी के एनआरएलएम ब्लॉक कार्यालय ब्यौहारी परिसर में 14 जुलाई, एनआरएलएम ब्लॉक कार्यालय जयसिंहनगर परिसर में 15 जुलाई, एनआरएलएम ब्लॉक कार्यालय गोहपारू परिसर में 16 जुलाई, एनआरएलएम ब्लॉक कार्यालय सोहागपुर परिसर में 17 जुलाई एवं एनआरएलएम ब्लॉक कार्यालय बुढार परिसर में 18 जुलाई 2025 को प्रातः 10:30 बजे सांय 4 बजे तक षिविर आयोजित किये जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी भर्ती प्रकिया के संबंध में अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मोबाइल नम्बर 9131557489 पर सम्पर्क कर सकते है।

ठेकेदार की मनमानी और रेलवे अधिकारियों की अनदेखी से उठे सवाल

सांसद की मांग के बावजूद रैंप नहीं, एफओबी पर शुरू हुआ निर्माण कार्य

विजय मत, शहडोल।

जिले में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शहडोल रेलवे स्टेशन पर रैंप निर्माण को लेकर क्षेत्रीय सांसद हिमाद्री सिंह की स्पष्ट मांग के बावजूद कार्य रैंप की बजाय फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के नक्शे पर शुरू कर दिया गया है। इसको लेकर न केवल आमजन में असंतोष है, बल्कि रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है।

सांसद ने की थी रैंप निर्माण की स्पष्ट मांग

शहडोल की सांसद हिमाद्री सिंह ने यात्रियों की सुविधा और विशेषकर दिव्यांगजनों व बुजुर्गों की समस्याओं को देखते हुए स्टेशन पर रैंप निर्माण की मांग की थी। उन्होंने स्वयं केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर यह मुद्दा उठाया था। चर्चा के दौरान जब रेलमंत्री ने लिफ्ट की व्यवस्था से काम चलाने की बात कही तो सांसद ने दृढ़ता से कहा था कि रैंप से कम या ज्यादा कुछ नहीं चलेगा। इसके बाद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए गए थे।

एसईसीआर के अधिकारियों ने तैयार किया था प्रस्ताव

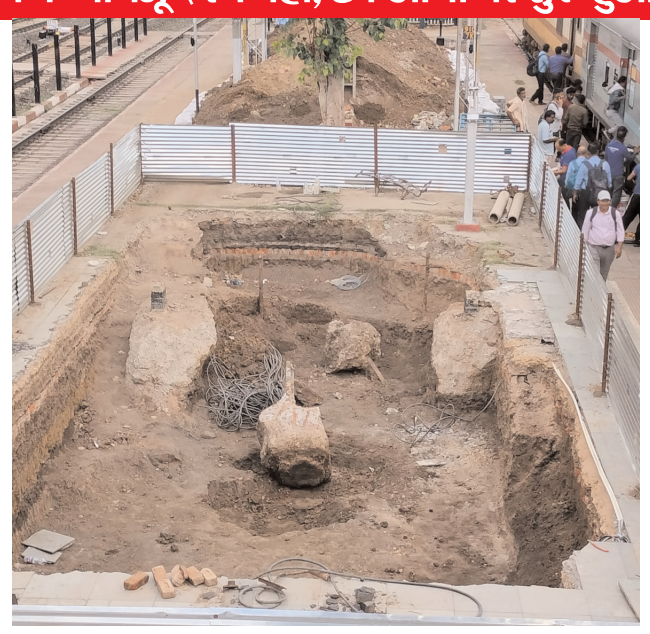

सांसद की पहल पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) की इंजीनियरिंग टीम ने शहडोल रेलवे स्टेशन पर रैंप निर्माण के लिए एक प्रस्ताव तैयार कर

बिलासपुर स्थित महाप्रबंधक कार्यालय को भेजा था। बिलासपुर मंडल के सीनियर डीसीएम अनुराग कुमार ने यह जानकारी दी थी कि रैंप निर्माण को लेकर जीएम ऑफिस से सैद्धांतिक सहमति प्राप्त हो गई है।

ठेकेदार ने एफओबी के नक्शे पर ही शुरू कर दिया निर्माण कार्य

इस सबके बावजूद अमृत भारत योजना के अंतर्गत ठेकेदार ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक दो व तीन के बीच एफओबी के पुराने नक्शे के अनुसार ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ठेकेदार न तो सांसद की मांग की परवाह कर रहा है, और न ही रेलवे की सैद्धांतिक सहमति का पालन कर रहा है।

तकनीकी अड़चनों की आशंका

रेलवे के तकनीकी जानकारों का कहना है कि यदि रैंप की सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है और उसके बावजूद एफओबी का ढांचा खड़ा किया जा रहा है, तो भविष्य में रैंप का स्ट्रक्चर खड़ा करना न केवल कठिन होगा बल्कि इसमें तकनीकी जटिलताएं भी आ सकती हैं। इससे निर्माण की लागत और समय दोनों में वृद्धि की संभावना है।

प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि ठेकेदार की यह मनमानी सीधे तौर पर रेलवे प्रशासन की उदासीनता को दर्शाती है। यदि समय रहते उच्चाधिकारियों ने हस्तक्षेप नहीं किया, तो यात्रियों की सुविधाओं को ताक पर रखकर निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जो जनहित के खिलाफ होगा।

पेट्रोल पंप पर खड़े ट्रक को चोरी कर जंगल में छुपाया,पुलिस ने किया बरामद

विजय मत, शहडोल।

जिले के बुढार थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना हुई है। जहां बीती रात एक चोर ने पेट्रोल पंप में खड़े ट्रक को चुरा लिया। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाई और कुछ ही घंटों में चोरी हुआ ट्रक बरामद कर लिया, साथ ही आरोपी को भी हिरासत में लिया। यह मामला तकनीकी सहायता और मुस्तैद पुलिस कार्रवाई का एक अच्छा उदाहरण है।

घटना की शुरुआत तब हुई जब कॉलेज कॉलोनी निवासी बिजेंद्र सिंह ने बुढार थाने में एक शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि उनका ट्रक, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर स्ब्ब18॥ 5009 है,बुढार के बघेल पेट्रोल पंप पर खड़ा था, जिसे किसी अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। पीड़ित ने पुलिस से बताया कि चालक ने रात को ट्रक को पार्क किया था, और सुबह पता चला कि वह गायब है।

बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने मामले की गंभीरता को समझते हुए पुलिस टीम को मौके पर भेजा। टीम ने पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की, जिसमें चोर को ट्रक को संजय नगर की दिशा में ले जाते हुए देखा गया। प्रभारी ने कहा, फुटेज के आधार पर, हमें चोर की दिशा का पता चला। हमने तुरंत कार्रवाई की और ट्रक को संजय नगर के जंगलों में छुपा हुआ पाया। जिसे मौके से बरामद किया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी किया गया ट्रक संजय नगर के जंगल से बरामद किया गया। ट्रक को वहां छिपाने पर आलमगंज धनपुरी के निवासी रूपेश बैगा को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, रूपेश पहले इस ट्रक का क्लीनर था और उसे वाहन को स्टार्ट करने की जानकारी थी, जिससे वह आसानी से ट्रक की चोरी कर सका। इस पर संजय जायसवाल ने कहा, यह एक गंभीर मामला है और हम आरोपी से पूछताछ कर रहे हैं ताकि मामले की पूरी जानकारी मिल सके।

पुलिस की सतर्कता और तकनीकी उपायों की मदद से चोरी का मामला कुछ घंटों में सुलझा लिया गया। यह दर्शाता है कि सही समय पर कार्रवाई करने से न केवल चोरी को रोका जा सकता है, बल्कि अपराधियों को भी पकड़ा जा सकता है। बुढार पुलिस का यह प्रयास निश्चित रूप से स्थानीय समुदाय में एक सकारात्मक संदेश भेजता है कि वे सुरक्षित हैं और पुलिस उनके साथ है।

खनिज का अवैध परिवहन रोकने पर वनपाल पर हमला कर वाहन छुड़ा ले गए बदमाश

विजय मत, शहडोल।

कोतवाली थाना क्षेत्र के नरसरहा में एक वनकर्मी के साथ दिनदहाड़े हुई मारपीट की घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। कार्यवाहक वनपाल विजय कुमार प्रजापति के साथ हुए इस हमले में पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश सख्ती से शुरू कर दी है। आरोपियों ने वनपाल से जप्त वाहन डिपो के अंदर से छुड़ाकर फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि विजय कुमार प्रजापति ने अवैध रूप से मुरुम परिवहन कर रहे दो मिनी ट्रकों को पकड़ा था। जिनका नंबर स्ब्ब18द्द्ड्ड4623 एवम स्ब्ब65द्द्ड्ड2186 इन ट्रकों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं थे, और जैसे ही वनकर्मी ने वाहनों को रोका, चालक मौके से फरार हो गए। मौके पर वाहन जप्त कर कार्यवाही की जा रही थी,तभी मौके पर आरोपी पहुंचे और वनकर्मी की यह कार्रवाई आरोपितों को नागवार गुजरी। घटनास्थल पर लकी उर्फ

अकाशदीप साहू, अमन रिछारिया, विजय प्रजापति, अनुराग मिश्रा और भोले यादव पहुंचे और उन्होंने वनपाल के साथ झूमाझटकी करते हुए उनका मोबाइल छीन लिया तथा तोड़ दिया। आरोपियों ने वनपाल को धमकी भी दी कि यदि वह उनके काम में हस्तक्षेप करते रहे, तो परिणाम गंभीर होंगे। और दबंगई पूर्वक दोनों वाहन लेकर मौके से चले गए।

विजय कुमार प्रजापति ने किसी तरह घटना की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इस घटना के बाद रेंजर शहडोल, रामनरेश विश्वकर्मा ने इस मामले की लिखित शिकायत कोतवाली थाने में की। रेंजर ने बताया,जांच के दौरान हमें पता चला कि दो दिन पहले नरसरहा के पास चेकिंग के दौरान ये वाहन पकड़े गए थे। इन वाहनों में मुरुम परिवहन संबंधी कोई दस्तावेज नहीं था। जिस पर कार्रवाई की जा रही थी। इसी बीच, कुछ लोग आए और सहायक वनपाल के साथ मारपीट करते हुए मोबाइल तोड़ दिया। शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और शासकीय कर्मचारी के साथ मारपीट करने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया है और उन्हें पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आरोपियों के साथ वाहनों की भी तलाश की जा रही है।

गौरतलब है कि अवैध खनन और परिवहन एक गंभीर मुद्दा है, जो न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करता है। इस प्रकार की घटनाएं न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती प्रस्तुत करती हैं।

जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से 50 करोड़ रूपए की लागत वाले कार्यों के मंगाए गए प्रस्ताव

विजय मत, शहडोल।

जिला खनिज प्रतिष्ठान मद की बैठक शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में संपन्न हुई। सांसद ने कहा कि शासन द्वारा जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से ग्रामीण एवं शहरी आबादी के अनुपात के अनुसार उच्च प्राथमिकता एवं अन्य प्राथमिकता वाले कार्यों का चिन्हांकन किया गया है। संबंधित जनप्रतिनिधि प्राथमिकता के आधार पर कार्यों का चिन्हांकन कर प्रस्ताव दें। जिससे वर्ष 2025-26 की कार्य योजना में उन्हें शामिल किया जा सके।

बैठक में विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक ब्यौहारी शरद कोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, वनमण्डलाधिकारी तरूणा वर्मा, सीईओ जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका शहडोल घनश्याम जायसवाल, अध्यक्ष नगर पारिषद बुढ़ार शालिनी सरावगी, अध्यक्ष नगर पालिका धनपुरी रविंदर कौर, अध्यक्ष नगर परिषद बकहो मौसमी केवट जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, नगरीय निकायों के अध्यक्ष तथा जिला खजिन प्रतिष्ठान समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि जिन नगरीय निकायों के पास शव वाहन उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें स्टाफ के वेतन की व्यवस्था के साथ शव वाहन उपलब्ध कराए जाएं। जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गई। आपने भवन विहीन शालाओं में राशि की उपलब्धता के अनुसार अतिरिक्त कक्ष निर्माण के भी प्रस्ताव देने की बात कही। कलेक्टर एवं खनिज प्रतिष्ठान मद के सचिव डॉ. केदार सिंह ने बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से 50 करोड़ रूपए तक के कार्य स्वीकृत किए जा सकते हैं।

सावधानी ही सुरक्षा है, बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें:- कलेक्टर

विजय मत, शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर के जल भराव क्षेत्र सन्नौसी तालाब का निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुल, पुलियों, रपटों पर पानी होने पर बैरिकेडिंग तत्काल लगाई जाए तथा लोगों को पैदल या वाहन को पार न करने दे। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान मेडिकल किट, ब्लीचिंग पाउडर, रस्सी,टार्च सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित

कर ले। कलेक्टर ने कहा कि जल भराव वाले क्षेत्रों की जानकारी रखें तथा जल भराव की स्थिति में स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि पुल-पुलियों के ऊपर से बहते पानी या सड़क के ऊपर से बहते पानी को क्रॉस ना करें और ना ही वाहन निकालने का प्रयास करें, नदी-नालों के पास जाने से बचें, बिजली गिरने की आशंका हो तो पेड़ के नीचे खड़े न हों, पुराने व कमजोर मकानों में न रहें, प्रशासन द्वारा जारी अलर्ट पर ध्यान दें व निर्देशों का पालन करें, किसी भी आपात स्थिति में आपदा नियंत्रण कक्ष या निकटतम प्रशासनिक अधिकारी को तुरंत सूचित करें।

अतिक्रमण

हाट बाजार की सड़क दिन-ब-दिन होती जा रही संकरी, सड़क पर बना लिया मैकेनिक जोन

अवैध कब्जों से जाम की स्थिति, प्रशासन बेखबर

विजय मत, शहडोल।

नगर के नया बस स्टैंड से बायपास मार्ग तक का इलाका इन दिनों अवैध मैकेनिक जोनों के चलते गंभीर ट्रैफिक संकट से जूझ रहा है। शहर के प्रमुख तिराहों, चौराहों और बाजार क्षेत्र में सड़क किनारे मैकेनिकों द्वारा गैराज खोलकर कब्जा जमा लिया गया है, जिससे सड़कों की चौड़ाई बेहद कम हो गई है। हाट बाजार से होकर गुजरने वाली मुख्य सड़क जहां कभी 40 फीट चौड़ी थी, अब महज 15 फीट रह गई है।

सड़क पर कब्जा, प्रशासन मूकदर्शक

मैकेनिकों द्वारा सड़क पर खड़े किए गए वाहनों और खुले में मरम्मत कार्य के चलते आम राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बस स्टैंड से लेकर बायपास तक तथा रीवा रोड और झूला पुल क्षेत्र में कई स्थानों पर स्थिति विकट बनी हुई है। नगर प्रशासन की लापरवाही के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं।

अधिक आवाजाही, अधिक समस्या

हाट बाजार के आसपास कई सरकारी कार्यालय हैं, जिससे इस क्षेत्र में दिनभर बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। कर्मचारी, अधिकारी और आम नागरिक इन संकरी सड़कों से होकर गुजरने को मजबूर हैं। कई बार प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन भी इन्हीं अव्यवस्थित रास्तों से गुजरते हैं, परंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

खुले में रंग-रोगन और मरम्मत, बढ़ा प्रदूषण

कई स्थानों पर सड़क किनारे खुले में वाहनों का रंग-रोगन व मरम्मत कार्य किया जा रहा है, जिससे धुएं और दुर्गंध से वहां से गुजरने वाले लोगों को सांस लेने में कठिनाई होती है। स्कूल जाने वाले बच्चे, वृद्ध और महिला यात्रियों के लिए यह स्थिति और भी अधिक परेशान करने वाली हो जाती है।

जनता ने उठाई मांग, शिफ्ट किए जाएं मैकेनिक

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अवैध कब्जा हटाकर मैकेनिकों को एक व्यवस्थित मैकेनिक जोन में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इससे जहां उनका रोजगार सुरक्षित रहेगा, वहीं शहर की प्रमुख सड़कों पर यातायात बाधित नहीं होगा। नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से इस दिशा में शीघ्र ठोस कदम उठाने की मांग की है।

कब होगी कार्रवाई?

नगर पालिका द्वारा एक ओर पूरे शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मुख्य मार्गों पर फैले इन अवैध कब्जों को अनदेखा किया जा रहा है। सवाल उठता है कि आखिर शहर के मध्य फैली इस गंभीर समस्या की ओर प्रशासन कब ध्यान देगा?

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com